जीवन दर्शन

युवावस्था आवेशमय होती है, वह प्रोध से आग हो जाती है तो करुणा से पानी भी। - प्रेमचंद

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड

महानगर संस्करण

LOCAL TO GLOBAL

www.globalherald.news

बुधवार 4 दिसंबर, 2024 ■ वर्ष 13 ■ अंक 295 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

बुमराह की गिनती महानतम खिलाड़ियों में होगी : हेड

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की सुनवाई से सीजेआई हटे:नई बेंच सुनवाई करेगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। मामले की सुनवाई 6 जनवरी से शुरू होगी और इसके लिए नई बेंच का गठन किया जाएगा। 2 मार्च 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया था, जिसमें कहा गया था कि सीईसी और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति तीन सदस्यीय पैनल की तरफ से की जाएगी। इसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस शामिल होंगे। सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय बेंच ने यह फैसला सुनाया था। इसमें सीजेआई संजीव खन्ना भी शामिल थे, तब वे सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस थे।

जयशंकर- भारत और चीन के रिश्तों में मामूली सुधार, पूर्वी लद्दाख में सेनाएं पीछे हटीं

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को भारत-चीन सीमा विवाद पर संसद को जानकारी दी। विदेश मंत्री ने सदन में कहा कि भारत और चीन बातचीत और कूटनीति के जरिए सीमा विवाद सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्वी लद्दाख में पूरी तरह से डिसइंगेजमेंट हो चुका है। हालांकि एलएसी पर अभी भी कई इलाकों में विवाद है। भारत का मकसद ऐसा समाधान निकालना है, जो दोनों देशों को मंजूर हो। उन्होंने कहा, '2020 के बाद से भारत और चीन के रिश्ते सामान्य नहीं हैं। बॉर्डर पर शांति भंग हुई थी, तब से दोनों देशों के रिश्ते ठीक नहीं हैं। हालांकि हाल ही में हुई बातचीत से स्थिति में कुछ सुधार हुआ है।' भारत-चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में चार साल से सीमा विवाद को लेकर तनाव था।

अयोध्या से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, 21 घायल, चार गंभीर

छिंदवाड़ा। अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन कर वापस छिंदवाड़ा पहुंच रहे श्रद्धालुओं से भरी बस चौरई के समीप सोयाबीन प्लांट के पास पलट गई। करीब 21 घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद कुछ लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जिसमें से 4 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही चौरई एसडीएम प्रभात मिश्रा,एसडीओपी सौरभ तिवारी मौके पर पहुंच गए। बस में नागपुर नाका व्यापारी मंडल के श्रद्धालु सवार थे। बताया जा रहा है कि बस जब केंद्रीय विद्यालय के पास से जा रही थी तो सामने से आ रहे ट्राले ने बस को कट मारा जिसके कारण बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर कर पलट गई।

फडणवीस सीएम हाउस में शिंदे से मिले, आधा घंटे बातचीत, पर्यवेक्षक विजय रूपाणी मुंबई पहुंचे

आज राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश करेगा महायुति

मुंबई/नई दिल्ली ■

महाराष्ट्र में सीएम पद को लेकर सस्पेंस के बीच देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार शाम सीएम हाउस वर्षा में कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से आधे घंटे की मुलाकात की। महाराष्ट्र चुनाव के बाद यह दोनों की दूसरी मुलाकात है। इससे पहले दोनों दिल्ली में मिले थे। फडणवीस से पहले भाजपा नेता गिरीश महाजन और उदय सामंत ने मंत्रालय के बंटवारे को लेकर शिंदे से मुलाकात की थी।

वहीं, भाजपा विधायक दल की बैठक 4 दिसंबर को सुबह 11 बजे होगी। इसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ऑब्जर्वर के तौर पर शामिल होंगे। इस बैठक के लिए रूपाणी मुंबई पहुंच गए हैं। दोपहर 3 बजे महायुति का एक प्रतिनिधि मंडल राज्यपाल से मिलाकर सरकार बनाने का दावा पेश करेगा। इससे पहले महायुति की फाइनल बैठक होगी। महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को आए थे। महायुति यानी भाजपा-शिवसेना शिंदे-राकांपा पवार को 230 सीटों का भारी बहुमत मिला, लेकिन 10 दिन बाद भी मुख्यमंत्री का नाम तय नहीं हो पाया है। आज ही ठाणे से मुंबई लौटे शिंदे शिंदे आज ही ठाणे से मुंबई स्थित अपने सरकारी आवास वर्षा बंगले पहुंचे हैं। वे शुक्रवार को ठाणे गए थे, अब 4 दिन बाद वापस लौटे हैं। ठाणे में उन्होंने अस्पताल में अपना रुटीन चेकअप कराया, इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि तबीयत कैसी है, तो उन्होंने कहा- सेहत अच्छी है। सूत्रों के मुताबिक आज शिंदे की शिवसेना विधायकों के साथ भी मीटिंग होनी है। ये मीटिंग देर रात में होगी और इसमें सरकार गठन पर अहम फैसले होंगे।

मंत्रिपद की लिस्ट में भाजपा के नेताओं का नाम

देवेंद्र फडणवीस, चन्द्रशेखर बावनकुले, चंद्रकांत पाटिल, पंकजा मुंडे, गिरीश महाजन, आशीष शेलार, रवीन्द्र चव्हाण, अतुल बचाओ, सुधीर मुनगंटीवार, नितेश राणे, गणेश नाइक, मंगल प्रभात लोढ़ा, राहुल नार्वेकर, अतुल भातखलकर, शिवेंद्रराज भोसले, गोपीचंद पडलकर, माधुरी मिसाल, राधाकृष्ण विखे पाटिल, जयकुमार रावल।

राकांपा के ये नेता ले सकते हैं मंत्री पद की शपथ- अजित पवार, धनंजय मुंडे, छगन भुजबल, हसन मुश्रीफ, दिलीप वाल्से पाटिल, अदिति तटकरे, धर्मराव बाबा अत्राम।

शिवसेना के ये नेता ले सकते हैं मंत्री पद की शपथ- एकनाथ शिंदे, दीपक केसरकर, उदय सामंथा, शम्भुराज देसाई, गुलाबराव पाटिल।

गडकरी बोले- राजनीति अतृप्त आत्माओं का महासागर...

नागपुर ■

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि राजनीति अतृप्त आत्माओं का एक सागर है, जहां हर व्यक्ति उदास है और अपनी मौजूदा पोजिशन से ऊंची पोस्ट की उम्मीद लगाए बैठा है। रविवार को नागपुर में किताब 50 रूल्स ऑफ गोल्डन लाइफ के लॉन्च के दौरान उन्होंने यह बात कही।

उन्होंने कहा कि जिंदगी समझौतों, मजबूरियों, सीमाओं और विरोधाभासों का खेल है। इंसान चाहे परिवार के बीच हो, समाज में हो, राजनीति में या कॉपोरेट जीवन में, जिंदगी चुनौतियों और परेशानियों से भरी रहती है। व्यक्ति को इनका सामना करने के लिए आर्ट ऑफ लिविंग सीखना चाहिए।

गडकरी बोले- मुख्यमंत्री को डर है कि उसे हाईकमान कब हटा दे

गडकरी ने हाल में राजस्थान के कार्यक्रम का जिक्र किया। यहां उन्होंने कहा था कि राजनीति अतृप्त आत्माओं का महासागर है। हर कोई यहां दुखी है। कॉपोरेटर उदास है, क्योंकि उसे विधायक बनने का मौका नहीं मिला, विधायक दुखी है क्योंकि उसे मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया। जो मंत्री बन गया, वह दुखी है क्योंकि उसे अच्छा विभाग नहीं मिला और वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाया। और मुख्यमंत्री इस बात से परेशान है कि उसे नहीं पता हाईकमान कब उसे हटने को कह देगा।

झालावाड़ में सामूहिक आत्महत्या एक साथ घर से उठी चार अर्थियां

झालावाड़ ■

झालावाड़ जिले के गंगधार थाना क्षेत्र के जैताखेड़ी गांव में मंगलवार सुबह दिल दहलाने वाली घटना सामने आई। यहां एक दंपती ने अपने दो बेटों के साथ सामूहिक आत्महत्या कर ली। मंगलवार सुबह घर में दंपती व एक बेटे का शव फंदे पर लटके मिले, जबकि एक साल का बेटा बिस्तर पर मृत मिला। पुलिस इसे सामूहिक आत्महत्या का मामला मान रही है। माना जा रहा है कि दंपती ने पहले दोनों बेटों को मारा।

फिर खुद फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रथम दृष्टया पारिवारिक कलह की बात सामने आ रही है। जानकारों के अनुसार पुलिस को सुसाइड नोट भी मिला है, लेकिन उसके अंदर की बात का खुलासा पुलिस ने नहीं किया है। सूचना मिलने के बाद जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर और अन्य आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने चारों मृतकों के शव पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। राजस्थान में सामने आया दर्दनाक मामला इस पर गंगधार थानाधिकारी अमरनाथ जोगी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां नागूसिंह (27), उसकी पत्नी संतोष बाई (25), बेटा युवराज (6) के शव फंदे पर लटके मिले, जबकि वहीं पर एक साल का बेटा बिस्तर पर मृत मिला।

राष्ट्रपति ने साउथ कोरिया में इमरजेंसी लगाई

कहा- विपक्ष नॉर्थ कोरिया के इशारे पर सरकार अस्थिर करना चाह रहा

नई दिल्ली ■

दक्षिण कोरिया में 3 दिसंबर को राष्ट्रपति यून सुक योल ने इमरजेंसी मार्शल लॉ का ऐलान किया। राष्ट्रपति ने विपक्ष पर संसद को नियंत्रित करने, उत्तर कोरिया के साथ सहानुभूति रखने और सरकार गिराने वाली गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया।

राष्ट्रपति यून ने टेलीविजन पर प्रसारित राष्ट्र के नाम संबोधन में यह घोषणा की। इसके साथ ही दक्षिण कोरिया में जारी राजनीतिक तनाव और बढ़ गया है। यून की पीपुल्स पावर पार्टी मई 2022 से सत्ता में हैं। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी सरकार की नीतियों का विरोध कर रही है। 1980 के बाद यह पहली बार है,

जब दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ घोषित किया गया है। देश में मॉर्शल लॉ ऐसे समय में लगाया गया है, जब संसद में सरकार और विपक्षी दल के बीच बजट विधेयक को लेकर मतभेद है। राजधानी सियोल में सड़क से लेकर संसद तक में प्रदर्शन हुआ। संसद में इस फैसले के खिलाफ मतदान हुआ है। संसद के ऊपर हेलिकॉप्टर तैनात कर दिए गए हैं। सेना ने कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में ले लिया है। मार्शल लॉ लागू करने के विरोध में दक्षिण कोरियाई संसद के बाहर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई।

मार्शल लॉ के बाद रैलियां बैन, प्रसारण पर रोक

- नेशनल असेंबली, स्थानीय परिषदों और राजनीतिक दलों, राजनीतिक संघों, रैलियों और प्रदर्शनों सहित सभी राजनीतिक गतिविधियां बैन होंगी।
- फेक न्यूज, पब्लिक ओपिनियन और झूठे प्रचार पर रोक रहेगी।
- सभी मीडिया और प्रकाशन मार्शल लॉ कमांड के नियंत्रण के अधीन होंगी।
- हड़ताल, काम रोकने पर कार्रवाई की जाएगी।
- प्रशिक्षु डॉक्टरों सहित सभी चिकित्सा कर्मी, जो हड़ताल पर हैं या चिकित्सा क्षेत्र छोड़ चुके हैं, उन्हें 48 घंटे के भीतर अपनी नौकरी पर लौटना होगा। ईमानदारी से काम करना होगा। उल्लंघन करने वालों को मार्शल लॉ के अनुसार सजा दी जाएगी।

हेमंत सोरेन कैबिनेट का विस्तार 5 को

रांची. झारखंड की हेमंत सोरेन कैबिनेट का विस्तार 5 दिसंबर को होगा. राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन दोपहर 12:30 बजे से किया गया है. 28 नवंबर को हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी. इसके लिए रांची के मोरहाबादी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया था. राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल समेत कई राष्ट्रीय नेता इसके गवाह बने थे. पांच दिसंबर को होने वाले झारखंड मंत्रिमंडल विस्तार पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि सौहार्दपूर्ण तरीके से मंत्रिमंडल का गठन किया जाएगा. हर प्रमंडल को उसका प्रतिनिधित्व मिलेगा.

नीलकंठ महादेव मंदिर या जामा मस्जिद! कोर्ट में बहस नहीं हुई पूरी, 10 को होगी सुनवाई

बदायूं ■

बदायूं में जामा मस्जिद बनाम नीलकंठ महादेव मंदिर मामले में मंगलवार को फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुस्लिम पक्ष की बहस पूरी नहीं. अब मामले में अगली सुनवाई दस दिसंबर को होगी. हिंदू महासभा के वकील विवेक रेंडर ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि केस सुनवाई योग्य है या नहीं, इसको लेकर कोर्ट में बहस चल रही है.

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यदि कोई संपत्ति पुरातत्व विभाग की है उस पर विशेष उपासना स्थल अधिनियम, 1991 लागू नहीं होता है. जहां एक पक्ष हिंदू हो और दूसरा पक्ष मुस्लिम हो तब उस दिशा में वक्फ अधिनियम 1995 के प्रावधान लागू नहीं होते हैं. उन्होंने आगे कहा कि मुस्लिम पक्ष अपनी बहस कर रहा है, इसके बाद हम अपना पक्ष रखेंगे. मुस्लिम पक्ष मंदिर के अस्तित्व को नकार रहा है, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अगर मंदिर का अस्तित्व नहीं है तो वो सर्वे कराने से क्यों डर रहे हैं? इंतजामिया कमेटी के वकील अनवर आलम का कहना है कि ये मुकदमा सुनवाई योग्य नहीं है. जिसमें उन्होंने हमें पार्टी बनाया है उसमें लिखा है मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई, जिसका कोई अस्तित्व नहीं उसकी तरफ से कोई मुकदमा दायर नहीं कर सकता. सरकार के गजेटियर में लिखा है कि जामा मस्जिद धरोहर है. केवल बदायूं के कुछ खास मेंटालिटी के अधिकारियों ने साल 2004- 2005 में ऐसा लिख दिया था. दूसरा पक्ष कोई गजेटियर पेश नहीं कर रहा. केवल शहर का माहौल बिगाड़ने के लिए ऐसा किया गया है.

संभल हिंसा का पाकिस्तानी कनेक्शन: बवाल में विदेशी कारतूस का हुआ इस्तेमाल, मिले 9 एमएम के खोखे

संभल ■

जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल में नौ एमएम पिस्टल का भी इस्तेमाल किया गया। मंगलवार को पुलिस छानबीन के दौरान मोहल्ला कोटगर्वी में टंकी रोड पर कूड़े के अंदर पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्टरी में बने एक कारतूस और एक खोखा मिला है। इसके अलावा 12 बोर का यूएसए में बना खोखा मिला है।

इसी तरह तीन खोखे 32 बोर के भी मिले हैं। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि यह गंभीर तथ्य सामने आया है। इसकी बारीकी से जांच की जाएगी। नौ

एमएम कारतूस का इस्तेमाल सरकारी असलहा में ही किया जाता है। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जाएंगे। किसने पिस्टल का बवाल में इस्तेमाल किया है। एसपी ने बताया कि मंगलवार को पुलिस की जांच टीम छानबीन कर रही थी। इसी दौरान एक खोखा और एक कारतूस पुलिस को मिला है। इसके पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्टरी का होने का प्रमाण मिला है। इसी तरह यूएसए में बना एक 12 बोर का खोखा भी मिला है। 32 बोर के तीन खोखे मिले हैं। एसपी ने कहा कि अब जांच यह भी की जाएगी कि पाकिस्तान और यूएसए का कारतूस संभल तक कैसे पहुंचा और किस हथियार में इस्तेमाल किया गया।

पुलिस को चकमा देकर संभल पहुंचे पर रहे बाहरी लोग

दस दिसंबर तक जिले में बाहरी रोक के बावजूद मंगलवार को जमीयत उलमा-ए-हिंद और कांग्रेसी नेता पीड़ित परिवारों से मिलकर चले गए। पुलिस-प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी। बाहरी लोगों को रोकने में खुफिया तंत्र भी असफल रहा। जबकि अधिकारी लगातार निगरानी की बात कह रहे हैं। जमीयत उलमा ए हिंद के पदाधिकारियों ने भी पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। इसी तरह कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व यूपी के प्रदेश सचिव भी मुलाकात करने के लिए पहुंचे। शनिवार को हैदराबाद निवासी सामाजिक कार्यकर्ता सलमान ने मुलाकात की थी। अन्य सामाजिक कार्यकर्ता भी पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर चुके हैं। लेकिन पुलिस प्रशासन बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगाने में नाकाम साबित हो रहा है।

व्यंग्य : महाराष्ट्र में लाडकी बहिनें ना कह दें 'आता माझी सटकली' ..!

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के परिणाम तो 23 नवंबर को आ गए, लेकिन 20 नवंबर को मतदान से पूर्व आचार संहिता के कारण ' माझी लाडकी बहिन ' योजना के तहत हर माह दी जा रही 1500 की राशि रोक दी गई थी, हालांकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 3000 इकट्ठे दे दिए थे और अब बहिनों को उम्मीद है कि सरकार बनते ही राशि फिर शुरू होगी, लेकिन सरकार बनने का नाम ही ले रही है, ऐसे में कहीं बहिनें आक्रोश में यह ना कह दें ' आता माझी सटकली ' बहिनों को खाते में पैसे आने से मतलब है, मुख्यमंत्री कोई भी बने, लेकिन मुख्यमंत्री का पद ऐसा हो गया है कि रोज ड्रामा ही चल रहा है और शपथ की तारीख व स्थान भी तय हो गया है. अब खबर है 4 दिसंबर को पक्का तय..?

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

4 दिसंबर को पक्का तय कर लो सीएम कौन वरना माझी तो सटकली तय..!

पीटीआई के मुताबिक, भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया है कि महाराष्ट्र में नए मुख्यमंत्री का ऐलान बुधवार 4 दिसंबर को किया जाएगा.उन्होंने कहा है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान महायुति सरकार के शपथ ग्रहण समारोह से एक दिन पहले होगा. बता दें कि भाजपा ने पहले ही घोषणा कर दी है कि महाराष्ट्र का नया सीएम आगामी 5 दिसंबर को पीएम मोदी और अन्य नेताओं की मौजूदगी में मुंबई के आजाद मैदान में शपथ लेगा.बीजेपी नेता सुधीर मुनगंटीवार ने कहा है कि वैसे तो मुख्यमंत्री के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम लगभग तय है. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एवं विजय रुपाणी पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं और 4 दिसंबर को विधायक दल की बैठक बाद मुख्यमंत्री का नाम तय हो जाएगा. तैयारी जोरदार है. आजाद मैदान में 5 दिसंबर को शपथ ग्रहण में मुख्यमंत्री व दो उपमुख्यमंत्री शपथ लेंगे और इसमें प्रधानमंत्री मोदी व ग्रहमंत्री अमित शाह के अलावा 22 राज्यों के मुख्यमंत्रियों एवं साधु संतो को भी आंमत्रित किया जाएगा यानी शक्ति प्रदर्शन पूरी तरह रहेगा. विपक्षी नेताओं को भी न्योता दिया जाएगा, भले ही वह आएं या ना आएं.. वैसे महा विकास अघाड़ी जो पिछाड़ी हो गई है उसके नेताओं में चुनाव परिणाम के बाद से उद्धव ठाकरे हो या, शरद पवार या राहुल गांधी माझी तो सबकी सटकली स्थिति में है. शिंदे भाऊ को मनचाहे मंत्री पद नहीं तो उनकी भी माझी फिर सटक सकती है और उनकी पत्नी लता शिंदे पति के मुख्यमंत्री ना बनने पर दुखी हो सकती हैं और अजित पवार को भी पूरा सम्मान नहीं मिला तो उनका भी यही हाल हो सकता है एवं बेटे जय पवार जो पिता के मुख्यमंत्री बनने की आस लगाए बैठे हैं उनकी भी माझी सटक सकती है.खैर बहिनें तो यही सोच रही हैं कि कोई भी मुख्यमंत्री बने और मंत्री बनकर खूब कमाओ पर सरकार बनाने में 15 दिन गुजार दिए तो 1500 मासिक में से 750 रू.की भरपाई कौन करेगा ..?

पदभार ग्रहण के साथ डीजीपी कैलाश मकवाना ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

इंदौर (दिलीप शर्मा) ■

मध्यप्रदेश के नए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना ने पदभार ग्रहण कर लिया है. उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी सौजन्य भेंट की. 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी कैलाश मकवाना ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को बेहतर रुप से पूर्ण करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की.

पत्रकारों से चर्चा के दौरान पुलिस में व्याप्त भ्रष्टाचार पर सख़्ती से नियंत्रण करने की बात कह कर उन्होंने अपने तेवर जता दिए हैं. कर्तव्यनिष्ठ व अपनी ईमानदार छवि के लिए पहचान बना चुके मकवाना सीआईडी इंटलीजेन्स में एडीजी पद पर भी कार्य कर चुके हैं, जिसके बाद उन्हें स्पेशल डीजी सीआईडी बनाया गया था. दंतेवाड़ा, मुरैना, बस्तर, बैतूल, मंदसौर आदि जगह अपनी सेवा दे चुके मकवाना प्रदेश में अपराध नियंत्रण के मामले में भी मुख्यमंत्री की आकांक्षा पर खरे उतरेंगे.इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के संदेश अनुरूप साइबर क्राइम, डिजिटल अरेस्ट व एआई तकनीक से होने वाले अपराधों पर भी विशेष ध्यान देंगे.

न्यूज ब्रीफ

बजरंग दल ने पकड़ा छेड़छाड़ का आरोपी, पीड़िता से करवाई पिटाई

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर में एक युवक, इरशाद आलम, पर शादीशुदा महिला के साथ लगातार छेड़छाड़ करने और उसे परेशान करने का गंभीर आरोप लगा है। महिला, जो पेशे से हाउसकीपर है, ने शिकायत में बताया कि महालक्ष्मी नगर स्थित सिकंदर मैट्रेस में काम करने वाले आरोपी ने उसे पिछले आठ दिनों से मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया। महिला का आरोप है कि जब भी वह काम पर जाती या लौटती, आरोपी अश्लील इशारे करता और उसे परेशान करता। सोमवार को स्थिति और गंभीर हो गई जब आरोपी ने महिला का रास्ता रोककर उसका हाथ पकड़ लिया। इस घटना से परेशान होकर महिला अपने घर भागी और तुरंत अपने चाचा को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को इस मामले की सूचना दी गई। संगठन के विभाग संयोजक प्रवीण देरेकर ने बताया कि महिला से छेड़छाड़ की खबर मिलने के बाद जिला संयोजक लक्की और अन्य कार्यकर्ता तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया और महिला से उसकी चप्पल से पिटाई करवाई। इसके बाद आरोपी को थाने ले जाकर पुलिस के हवाले किया गया। पुलिस ने इरशाद आलम के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है। यह घटना समाज में महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों और सुरक्षा की कमी को उजागर करती है। जहां बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की त्वरित कार्रवाई ने आरोपी को पकड़ने में मदद की, वहीं कानून से परे जाकर महिला से आरोपी की पिटाई करवाना सवाल खड़े करता है। यह घटना बताती है कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए समाज को सतर्क रहने की जरूरत है, लेकिन साथ ही न्याय की प्रक्रिया को सही ढंग से लागू करना भी उतना ही आवश्यक है। कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कानूनी कदमों और सामाजिक जागरूकता का संतुलन बनाना बेहद जरूरी है।

एसजीएसआईटीएस को एक करोड़ की मदद, स्टार्टअप्स को मिलेगा प्रोत्साहन

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। एसजीएसआईटीएस इनक्यूबेशन फोरम ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड विमान प्रभाग, नासिक के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत एचएएल की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल के अंतर्गत एसजीएसआईटीएस को एक करोड़ मूल्य के उपकरण फैब्रिकेशन लैब, डाइज और डिजाइन रूम्स के लिए प्रदान किए जाएंगे। एमओए हस्ताक्षर समारोह में तकनीकी शिक्षा मंत्री और एसजीएसआईटीएस शासी निकाय के अध्यक्ष इंदर सिंह परमार मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में एचएएल के अधिकारी और अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। डॉ. दिव्या गुप्ता (स्वतंत्र निदेशक एवं सीएसआर समिति की अध्यक्ष), साकेत चतुर्वेदी (सीईओ, मिग कॉम्प्लेक्स) और सुब्रत मोंडल (जीएम, एओडी) भी उपस्थित थे। एसजीएसआईटीएस की ओर से, डॉ. नीतेश पुरोहित (निदेशक, एसजीएसआईटीएस) के साथ तपन मुखर्जी और रमेश व्यास (निदेशकगण, एसजीएसआईटीएस इनक्यूबेशन फोरम) भी मौजूद थे। एचएएल और एसआईएफके के बीच एमओए का औपचारिक आदान-प्रदान, उद्योग के सदस्यों, संकाय और एसजीएसआईटीएस के कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि यह सहयोग एसजीएसआईटीएस इनक्यूबेशन फोरम के बुनियादी ढांचे और क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो नवाचार को प्रोत्साहित करेगा और नए उद्यमियों तथा स्टार्टअप्स के लिए संसाधन उपलब्ध कराएगा।

मेधा पाटकर को डी. लिट. डिग्री प्रदान की गई

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। (औरंगाबाद) मेधा पाटकर के पिछले 45 सालों से चल रहे आदिवासी, किसान- मजदूर, प्रकृति के साथ जीने वाले तथा श्रमिक समुदायों के साथ के कार्य को पुरस्कृत करते हुए उन्हें डी. लिट. की डिग्री प्रदान की गयी. 30 नवंबर को 'महात्मा गांधी मिशन विद्यापीठ' ने यह डिग्री प्रदान की जहाँ दसौं विषयों पर

विश्वविद्यालय, संस्थाएँ आदि द्वारा शोध, व्यवस्थापन, इंजिनीयरिंग के साथ कला, खादी और नवनिर्माण का प्रशिक्षण और प्रत्यक्ष कार्य चलता है, ऐसे 9000 विद्यार्थीयों के विद्यापीठ ने इस साल 1280 विद्यार्थी-विद्यार्थिनीयों को भी विविध स्तर की डिग्री दी जाकर बडी प्रशिक्षित युवाशक्ति समाज को दान की, साथ ही मेधा पाटकर को बोर्ड ऑफ गव्हनर्स ने चुनकर 'डॉक्टर' की पद?वी प्रदान की, उनके 70 सालपूर्ति के ही, साथ-साथ.इस भव्य कार्यक्रम में विशेष अतिथी रहे सर्वोच्च अदालत के बार कौंसिल के अध्यक्ष चुने गये कपिल सिब्बल जी सिब्बल जी ने युवाओं को संदेश दिया कि 'तुम्हारे कार्य का मूल्यांकन तुमने स्वीकारे आव्हानों से ही होगा और जो मुख्यधारा के प्रवाह के विरुद्ध भी चलने की हिम्मत रखेगा, वही परिवर्तन ला पाएगा.मेधा पाटकर ने अपने भाषण में कहा कि महात्मा गाँधी जी की प्रेरणा के साथ चल रहे विद्यापीठ की यह डिग्री, व्यक्तिगत नहीं, दसौं कार्यकर्ता और हजारो किसान-मजदूर, दलित, आदिवासी, महिलाओं ने मिलकर किये कार्य के लिए पुरस्कार है देश में फैली गैरबराबरी पर भाष्य करते हुए, जाति-धर्म के बंटवारे को नकारकर, हर विद्यार्थी समाज-वादी बने, सत्तावादी नहीं, यह बात भी विस्तार से रखी उन्होंने युवाओं को आवाहन किया कि वे केवल 'करिअर' नहीं, समाज में शोषित, पीडित वर्ग को समता- न्याय, रोजी-रोटी देने के लिए, संवैधानिक, अहिंसक और सत्याग्रही मार्ग पर चले और मानवीयता की मंजिल तक पहुंचे!

इंदौर के मधुमिलन चौराहे पर नया प्रयोग फेल, यातायात होने लगा बाधित

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर के पुराने और बड़े चौराहों में से एक मधुमिलन चौराहे की स्थित भूलभुलैया जैसी हो गई है। एमवाय की तरफ से आने वाले वाहन चालकों को पता ही नहीं चलता कि गांधी प्रतिमा तक जाने के लिए किधर मुड़ना है। सड़क निर्माण के कारण कई जगह बैरिकेड लगाकर ट्रैफिक रोक दिया जाता है। यहां की रोटरी नगर निगम ने हटा दी और ट्रैफिक को हनुमान मंदिर की तरफ से मोड़ दिया। इस कारण ट्रैफिक ज्यादा घुमावदार हो गया है। सुबह और शाम के समय यातायात भी बाधित होता है। सड़क निर्माण के दौरान डायवर्शन ने और परेशानी बढ़ा दी है। कई जगह ट्रैफिक रोक दिया जाता है। अफसरों का कहना है कि चौराहे का निर्माण पूरा होने के बाद

ट्रैफिक आसान हो जाएगा।

जंक्शन पर ज्यादा समय लग रहा

ढक्कनवाला कुआं मार्ग के जंक्शन पर ज्यादा दिक्कत आ रही है। यहां छावनी की तरफ से आने वाला यातायात सीधा जाता है, पहले यह मंदिर के पीछे से घुमकर जाता था। इस कारण लेफ्ट टर्न का उपयोग रीगल तिराहे की तरफ जाने के लिए होता था, लेकिन वह ट्रैफिक संकेतक के कारण रुकता है।

छह मार्ग मिलते हैं यहां पर

इंदौर का मधुमिलन और महू नाका सर्कल शहर के वो चौराहे हैं, जहां छह मार्ग मिलते हैं। इसके बावजूद दोनों चौराहों पर ट्रैफिक की परेशानी कभी नहीं आई, लेकिन मधु मिलन चौराहे के नए सिरे से निर्माण के कारण ट्रैफिक की बैंड बज जाती है। शाम के समय छावनी, एमवाय मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव ज्यादा रहता है। नगर निगम इस चौराहे से जुड़ी आरएनटी रोड को मॉडल रोड भी बना रहा है।

भविष्य में दिक्कत नहीं आएगी : राठौर

ट्रैफिक दुरुस्त करने के लिए यातायात विभाग ने कुछ बदलाव किए लेकिन समस्या फिर भी बनी हुई है। अभी भी चौराहे का निर्माण पूरा नहीं हो पाया है। जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर का कहना है कि आरएनटी मार्ग और मधु मिलन चौराहे को संवारा जा रहा है। निर्माण में ट्रैफिक इंजीनियरिंग का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। निर्माण के दौरान ट्रैफिक डायवर्शन के कारण दिक्कत थी, लेकिन भविष्य में दिक्कत नहीं आएगी।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर बच्चों ने लिया योग व स्पर्श चिकित्सा का लाभ, कृष्णा गुरुजी की रही अनूठी पहल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

3 दिसंबर 2024 को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर कृष्णा गुरुजी द्वारा युग पुरुष आश्रम धाम में विशेष ह्यदिव्यांग योगह्न सेशन का आयोजन किया गया। यह सेशन 45 मिनट का था, जिसने आश्रम के दिव्यांग बच्चों को योगाभ्यास के माध्यम से उनकी शारीरिक सीमाओं पर विजय प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया।

कृष्णा गुरुजी ने कहा कि दिव्यांगता को संकलागता में बदला जा सकता है। अगर दिव्यांग योग को जीवन में शामिल कर ले। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भरता, अनुशासन और आरोग्यता का संदेश दिया गया। इस दौरान ध्यान भजन ह्यतुझ में नारायण मुझ में नारायणह्न एवं ओम चैटिंग कराकर ध्यान कराया गया। ध्यान के दौरान कृष्णा गुरुजी ने अपनी डिवाइन एस्ट्रो हीलिंग स्पर्श चिकित्सा बच्चों को दी। इस अवसर पर गुरुजी विशेष रूप से तैयार किए गए योग अभ्यासों के माध्यम से यह बताएंगे कि दिव्यांगता को कैसे जीवन की बाधा न मानते हुए, एक नए दृष्टिकोण से इसे शक्ति में बदला जा सकता है। आश्रम की अधीक्षक शुभदा होलकर ने कहा बच्चों के जीवन में इतनी जल्दी परिवर्तन दिव्यांग योग से होगा, इसकी कल्पना भी नहीं की थी।

बार बार रेप से परेशान स्टूडेंट बिल्डिंग से कूदी, उप्र के युवक ने दिया धोखा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में 17 अक्टूबर 2024 को एक निजी कॉलेज की छात्रा के बिल्डिंग से गिरने की घटना में नया मोड़ आया है। डेढ़ महीने बाद छात्रा ने अपने प्रेमी के खिलाफ रेप का मामला दर्ज कराया है। उसने पुलिस को बताया कि विवाद के बाद उसने खुद तीसरी मंजिल से छलांग लगाई थी। इससे पहले छात्रा ने अपने शुरूआती बयान में कहा था कि वह चक्कर आने की वजह से नीचे गिर गई थी। विजय नगर पुलिस ने 24 वर्षीय एमबीए छात्रा की शिकायत पर सोमवार रात दीपेश जैन नामक व्यक्ति के खिलाफ शादी का झांसा देकर रेप का केस दर्ज किया है। दीपेश सिविल लाइंस, ललितपुर उप्र का निवासी है। उसे हिरासत में ले लिया गया है।

घटना के दिन छात्रा विजयनगर इलाके में गोल्डन गेट के पास एक

दीपेश जैन, आरोपी

बिल्डिंग की तीसरी मंजिल से नीचे गिरी थी। ग्राउंड फ्लोर पर बनी दुकान के शेड पर गिरने की वजह से उसकी जान बच गई। वह दीपेश से मिलने आई थी। छात्रा ने पुलिस को बताया कि उसकी और दीपेश की मुलाकात एमबीए की पढ़ाई के दौरान हुई थी। दीपेश उसका सीनियर था, और दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। एक दिन दीपेश ने शादी का प्रस्ताव दिया और कहा कि वह अपने परिवार को मना लेगा। उसने छात्रा से भी अपने माता-पिता से बात करने को कहा।

तीन बार ललितपुर बुलाया

छात्रा ने बताया कि दीपेश ने उसे अपने परिवार से भी मिलवाया और उसे तीन बार ललितपुर बुलाया। 13 अक्टूबर को उसने विजयनगर स्थित शिव सागर अपार्टमेंट में छात्रा को बुलाया। यहां जब दीपेश ने फिर से शारीरिक संबंध बनाने की मांग की तो छात्रा ने शादी की बात की। उसने कहा कि उसके माता-पिता शादी के लिए तैयार हैं, लेकिन बाद में दीपेश ने जाति का बहाना बनाकर कहा कि उसके माता-पिता शादी के लिए नहीं मानेंगे। इस पर दोनों के बीच बहस हुई। 17 अक्टूबर को जब छात्रा ने फिर से बात करनी चाही तो दीपेश ने कहा कि वह उससे शादी नहीं करेगा और केवल समय बर्बाद कर रहा था।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 7 दिसंबर को मनाया जायेगा

इंदौर। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 07 दिसंबर 2024 को सुबह 10 बजे से जिला सैनिक कल्याण कार्यालय जयरामपुर कालोनी इंदौर में गरिमामय रूप से मनाया जायेगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी नगेश चंद्र मालवीय (से.नि.) द्वारा बताया गया कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस प्रत्येक वर्ष सेना के अदम्य साहस, पराक्रम एवं राष्ट्र सेवा की महत्ती भूमिका निभाने के लिए मनाया जाता है। इसके साथ ही सशस्त्र सेना झण्डा दिवस देश के नागरिकों में देश प्रेम को बढ़ावा देने एवं सेना के प्रति आस्था एवं आभार प्रकट करने का एक शुभ-अवसर भी है। इस दौरान पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों की सहायता एवं कल्याण हेतु नागरिकों की स्वेच्छा से धनराशि सहयोग के लिए प्रेरित किया जाता है।

ऑटो ड्राइवर ने जहर खाया, तड़पता रहा, पुलिसकर्मी वीडियो बनाते रहे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर में एक ऑटो चलाने वाले व्यक्ति श्यामलाल यादव ने जहर खा लिया। पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे मगर उसका वीडियो बनाते रहे। उपचार में देरी हो गई और श्यामलाल की मौत हो गई। ऑटो रिक्शा ड्राइवर श्यामलाल के स्वजन ने बड़े भाई ओमप्रकाश पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पुलिस और एम्बुलेंस(108)से भी नाराज है।

घटना बाणगंगा थाना अंतर्गत प्रिंसनगर की है। 45 साल के श्यामलाल के भांजे अमन यादव के मुताबिक सबसे बड़े मामा लोकेश मिल मजदूर रहे हैं। उनका निधन हो चुका है। परिवार को मिल का रुपया मिलने वाला था। बंटवारे को लेकर विवाद हो रहा था। ओमप्रकाश पूरा रुपया हड़पना चाहते थे। श्यामलाल ने इस कारण घर में रुकना बंद कर दिया था। परेशान होकर श्यामलाल ने जहर खा लिया। लोगों ने श्यामलाल का वीडियो बनाया और डायल-100 पर कॉल लगाया। पुलिसकर्मी पहुंचे और पूछताछ करते रहते। उस वक्त श्यामलाल जिंदा थे। एम्बुलेंस-108 आई लेकिन पायलट देख कर चला गया। पुलिसवालों ने भी मानवीयता नहीं दिखाई। जहर की शीशी देखने के बाद भी चले गए। वक्त पर उपचार मिलता तो श्यामलाल की जान बच सकती थी।

युवाओं के दिल की धड़कन अनन्या पांडे इंदौर आई

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

युवाओं के दिल की धड़कन अभिनेत्री अनन्या पांडे आज इंदौर आईं। इंदौर में उनका इतना जोरदार स्वागत हुआ कि वह तारीफ करते थक नहीं रहीं थी। मौका था इंदौर में एक स्टोर की लांचिंग का। अनन्या को देखने के लिए इंदौर में सैकड़ों युवा पहुंचे। अनन्या ने अपनी फिटनेस और खूबसूरती पर बात करते हुआ कहा कि यह एक दिन की प्रक्रिया नहीं है।

यदि आप खूबसूरत रहना चाहते हैं तो आपको हर दिन कड़ी मेहनत करना होगी। अनन्या ने बताया कि किस तरह से वे अपनी डाइट और व्यायाम का ध्यान रखती हैं। उन्होंने कहा कि वे योग से मानसिक शांति प्राप्त करती हैं और जुंबा, पिलाटे, रनिंग आदि से शरीर को फिट रखती हैं। उन्होंने कहा कि आप किसी भी तरह की नौकरी करें लेकिन दिनभर में दस हजार कदम

चलना न भूलें। हम चलना भूल गए हैं इसलिए हम बीमार होते जा रहे हैं। अनन्या ने कहा कि फैशन के बहुत से टाइप हैं लेकिन जो आपके ऊपर अच्छा लगे आपको उसे चुनना चाहिए। अनन्या ने कहा कि शरीर के साथ आपका मन भी खूबसूरत होना चाहिए। अनन्या ने कहा कि इंदौर के खानपान की चर्चा मुंबई में हमेशा होती रहती है। हम इंदौर आने का वेट करते हैं ताकि हमें यहां का पोहा जलेबी खाने को मिले। अनन्या ने बताया कि उन्हें वड़ा पाव सबसे अधिक पसंद है क्योंकि वे एक पक्की मुंबई गर्ल हैं।

घर और नौकरी दोनों की जिम्मेदारी निभा रही महिलाएं, उनमें गजब का संतुलन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

लालबाग में रशीरोज शक्ति सम्मानह्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नारी शक्ति को उनके अद्वितीय योगदान के लिए सम्मानित करना रहा। शीरोज सेवा सोशल वेलफेयर सोसाइटी, एनजीओ महासंघ, नमो श्री चेतना और अहिल्या संस्था इसके आयोजक रहे।

घर और बाहरी कार्यक्षेत्र में संतुलन स्थापित करती हैं महिलाएं

कार्यक्रम में महिलाओं के घर और बाहरी कार्यक्षेत्र में संतुलन स्थापित करने और उनके समर्पण की सराहना की गई। शीरोज सेवा सोशल वेलफेयर सोसाइटी की संस्थापक डॉ. जानवी चांदवानी एवं रोटेरियन घनश्याम सिंह ने बताया कि उनकी संस्था हमेशा से महिलाओं, लड़कियों और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए तत्पर रही है। यह संस्था न केवल प्रशिक्षण और प्लेसमेंट

विशेष अतिथियों का योगदान

इंदौर की पार्षद कंचन गिडवानी और एचएसएसएफ मेला समिति से मंजुषा ने कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहकर महिलाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. आरती मेहरा और अर्चना गुप्ता और शशि भैया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सुरभी शितूत नाद नमन टीम के द्वारा सरस्वती स्तुति परफॉर्म की गई। विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महान महिलाओं को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की गई।

की सुविधा प्रदान करती है, बल्कि बिजनेस स्टार्टअप्स के लिए भी सहयोग करती है। इस कार्यक्रम में विधायक उषा ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने नारी शक्ति के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि महिलाएं अपने घर और कार्यक्षेत्र दोनों में अपनी जिम्मेदारियों को बेहतरीन तरीके से निभाती हैं। यह समाज का दायित्व है कि उनके योगदान को पहचाने और उनका सम्मान करे।

सफलता और योगदान!!!

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

चलिए दोस्तों, आज के लेख की शुरुआत सोच बदलने वाली एक बड़ी प्यारी सी कहानी से करते हैं। बात कई साल पुरानी है, जनवरी की गुलाबी ठंड और हल्की सर्द हवाओं के बीच एक शहर के मेयर मन में कुछ विचार लिए मैदान में टहल रहे थे कि अचानक ही उनका ध्यान आसमान की ऊंचाइयों में उड़ रही एक काफ़ी बड़ी रंग-बिरंगी पतंग ने खींचा। पतंग की ऊँची और सधी उड़ान व उसकी सुंदरता को देखते ही मेयर कुछ पलों के लिए सब कुछ भूल गए। थोड़ी देर बाद उनके मन में ख़याल आया कि निश्चित तौर पर इतनी ऊँचाई पर उड़ने वाली पतंग को दूसरे गांवों, दूसरे इलाकों से भी देखा जा सकता है। इस विचार ने मेयर को एक नया आईडिया दिया। अब वे सोच रहे थे क्यों ना इस पतंग को अपने छोटे से शहर की पहचान बना दिया जाये। इससे हमारे शहर का नाम दूर-दूर तक जाना जाने लगेगा।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

मेयर का विचार था तो वाक़ई बढ़िया और अमल में लाने लायक़। इसलिए मेयर ने अपने सभी सहयोगियों से इस विषय में चर्चा करी और मिलकर इसे मूर्त रूप देने की योजना बनाई। योजनानुसार पहला कदम पतंग को इतनी कुशलता के साथ हवा में ऊँचा उड़ाने वाले को सम्मानित किया जाना था। योजनानुसार तुरंत पतंगबाज को खोजा गया और फिर उसे मेयर से मिलवाया गया। मेयर ने उस युवा पतंगबाज से पूछा, 'क्या तुम ही इस पतंग को उड़ा रहे थे?' पतंगबाज ने तुरंत 'हाँ' में सर हिला दिया। मेयर बोले, 'बहुत खूब!' अपनी तारीफ़ सुनते ही पतंगबाज बोला, 'मैंने इस बड़ी पतंग को खुद अपने हाथों से बनाया है। मैंने इस पर सभी रंगीन चित्र बनाए हैं, और मैं इसे उड़ाता हूँ।' मेयर खुश होते हुए बोले, 'तुम्हारी इस बेहतरीन कला के लिए हम तुम्हारा सम्मान करना चाहते हैं।' इतना सुनते ही पतंगबाज खुश हो गया, तभी अचानक से हवा वहाँ आई और बड़ी तल्ख़ आवाज़ में बोली, 'महाशय, आप ग़लत व्यक्ति का सम्मान कर रहे हैं। इस पतंग को उड़ाने के लिए असल में, मैं जिम्मेदार हूँ। मेरे चलने पर ही यह युवा इस पतंग को उड़ा पाता है। अर्थात् जब मैं इस पतंग पर फूंक मारती हूँ, तभी यह उड़ पाती है।' अभी हवा की बात पूर्ण हुई भी नही थी कि पतंग की पूंछ मटकती हुई बोली, 'ऐसा नहीं है! असल में यह पतंग मेरी वजह से उड़ती है क्योंकि मैं ही इसे हवा के झोंकों के ख़िलाफ़ स्थिरता देती हूँ। मेरे बिना यह पतंग नियंत्रण के बाहर हो जाएगी और यह लड़का भी उसे गिरने से नहीं बचा पायेगा।' पूंछ की बात पर हँसते हुए डोर बोली, 'तुम लोग जरा इस पर भी विचार कर लो कि इस पतंग को ऊँचाई पर बनाए रखने और कंट्रोल करने के लिए कौन सतत् प्रयास कर रहा है।' इस कहानी को सुनते समय मन में स्वाभाविक तौर पर एक प्रश्न उठता है, 'असल में इस पतंग को उड़ा कौन रहा है?', तो अगर आप थोड़ा गहराई से देखेंगे तो समझ पायेंगे कि उपरोक्त सभी लोग इस पतंग को उड़ा रहे हैं। सही कहा ना मैंने दोस्तों?' ठीक इसी तरह जब जीवन में हमें सफलता मिलती है या हम अपने जीवन में कुछ अचीव कर पाते हैं तब उसमें कई लोगों का योगदान रहता है। अगर आप उस योगदान को नजरअंदाज कर यह अहम् पाल लेंगे कि यह सब सिर्फ़ और सिर्फ़ मेरी वजह से हो रहा है तो निश्चित मानियेगा, आपकी पतंग बस अब नीचे गिरने ही वाली है। एक बार इसपर विचार कर देखियेगा ज़रूर।

शिक्षण केवल ज्ञान का नहीं वरनअनुशासन और वैचारिक प्रशिक्षण का प्रकल्प भी है - डॉ. शर्मा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मेघावी विद्यार्थियों और शिक्षकों के सम्मान और मध्यप्रदेश के प्रतिष्ठित विद्यालय ह्लरैंकर्स इंटरनेशनलह्न के वार्षिकोत्सव में आयोजित कार्यक्रम ह्लतरंगह्न में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित संस्कृति मंत्रालय - भारत सरकार के सदस्य, डॉ. भरत शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय के प्रबंधक, संस्थापक, प्राचार्य, छात्र-छात्रायें तथा पालक को संबोधित करते हुए उक्त बात कही। आपने कहा कि आज का युग बहुत तेजी से परिवर्तित्रित हो रहा है । ऑक्सफोर्ड के एक अध्ययन के अनुसार २०३० में कई ऐसे नए उद्यम और जॉब मिलेंगे जिसके लिए आपने शायद आज शिक्षण प्राप्त ना किया हो। आर्टिफीसियल इंटैलिजेंस के युग में तकनीकी विकास, अनुसंधान और आविष्कार की गति बहुत तेजी से बढ़ी है।

इस स्थिति के विद्यालय में शिक्षकों की जवाबदारी बन जाती है की जीवन में आने वाले अप्रत्याशित बदलावों से रूबरू होने के लिए वैचारिक प्रशिक्षण दे कर विद्यार्थियों को तैयार करे। भविष्य में होने वाली प्रतिस्पर्धा के लिए

तैयारी करने के लिए और जीवन शैली पर होने वाले प्रभाव के लिए किताबी ज्ञान के अलावा क्या और क्यो की सोच के विपरीत कैसे करना है, समझने की दूरदर्शिता हेतु प्रशिक्षण देने का समय आ गया है । आपने बड़ी ही सुंदर और व्यवस्थित कार्यक्रम के आयोजन करने पर संस्था के पदाधिकारी और छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि आज की पीढ़ी को भारतीय संस्कृति की जानकारी और अनुशासित कर देश के प्रति जिम्मेवार नागरिक होने के लिए तैयार किए जाना एक बड़ी चुनौती है। विद्यालय द्वारा भारतीय संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक आयोजन के प्रदर्शन को सराहते हुए बताया कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सपनों का भारत और भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना आज की युवा पीढ़ी ही साकार करेगी। संस्था के संस्थापक श्री आर.सी.शर्मा ने विद्यालय द्वारा किए जानेवाले वार्षिक कैलेंडर की जानकारी दी। आपने संस्था द्वारा भारतीय संस्कृति की जागृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का विश्वास दिलाया और मौजूदा पालकों से कहा की आपके बच्चे ईश्वरीय स्वरूप है जब भी ये आपसे मिले को दो मिनट इन्हें केवल गले लगाकर इनमे होने वाले बदलाव आप महसूस करेंगे। बच्चों के शिक्षण के प्रति परिवार, विशेषकर माँ और पिता की जवाबदारी अति महत्वपूर्ण है। संस्था के डायरेक्टर श्री कपिल बिरथरे, श्री कमल शर्मा और प्राचार्य श्रीमती ममता द्विवेदी ने मुख्य अतिथि का स्वागत शाल, पुष्पगुच्छ और स्मृतिचिह्न देकर किया और आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम में विद्यालय के प्रावीण्य सूची में आने वाले और विभिन्न गतिविधियों में उल्लेखनीय उपलब्धि प्रात करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया और संस्था में पिछले १० वर्षों से कार्यरत शिक्षक और कर्मचारियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

बुधवार 4 दिसंबर, 2024

मुद्रा महोत्सव 6 से 8 दिसम्बर तक होगा

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। देश के सबसे स्वच्छ शहर में मुद्रा विद्वान और संग्राहकों का जमावड़ा दिसम्बर माह में होगा। इंदौर फिलेटलिक सोसाइटी एव इंदौर मुद्रा सोसाइटी के बैनर तले 6,7 और 8 दिसंबर को मुद्रा उत्सव होगा। यह जानकारी वरिष्ठ मुद्रा एवं डाक टिकट संग्राहक गणों की सभा में दी गयी। मुख्य संरक्षक गिरीश शर्मा आदित्य द्वारा सिक्कों पर जानकारी एवं आगामी दिसंबर माह की एग्जीबिशन की विस्तृत जानकारी दी। सभा के सभापति लक्ष्मीकांत जैन की मौजूदगी में महत्वपूर्ण कार्यक्रम की जानकारी साझा की गई।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में इंदौर एकजुट, आज कई बाजार आधे दिन बंद

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में पूरा इंदौर एकजुट हो रहा है। बांग्लादेश सरकार के विरोध में कल 4 दिसंबर बुधवार को लाखों लोग रैली निकालेंगे। रैली में जाने वाले लोग लालबाग पर एकजुट होंगे। कल के विरोध के दौरान शहर के कई संस्थान, व्यापारी एसोसिएशन ने आधे दिन के लिए काम बंद रखा है। प्रदर्शन को लेकर कई रूट डायवर्ट भी किए गए हैं। इंदौर के छप्पन दुकान पर अलग-अलग जगह मंगलवार को पोस्टर लगाए। इसमें एक सवाल उठाया है आखिर कब तक? साथ ही लिखा है बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार के विरोध में 'ना पोहा ना चाय बांग्लादेश हाय-हाय' विशाल रैली 4 दिसंबर सुबह 9 बजे लालबाग परिसर से कलेक्टर कार्यालय तक छप्पन दुकान व्यापारी संघ।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह को मिलेगा कलिंगा सेफ्टी एक्सीलेंस अवार्ड

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंस्टीट्यूट ऑफ क्वालिटी एन्ड एनवायरनमेंट मैनेजमेंट सर्विसेस एवं इंस्टीट्यूट ऑफ पीब्लिक इंटरप्राइजेस का प्रतिष्ठित कलिंगा सेफ्टी एक्सीलेंस अवार्ड-2023 मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना को देने का निर्णय लिया गया है। विद्युत गृह को यह अवार्ड लार्ज स्केल इंटरप्राइजेस मेजर इंडस्ट्री केटेगरी में मिलेगा। उल्लेखनीय है कि श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना ने अवार्ड के लिए निर्धारित सेफ्टी (सुरक्षा), स्वास्थ्य व पर्यावरण से संबंधित सभी मापदंडों को सफलातपूर्वक पूर्ण किया। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई व पॉवर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना के समस्त अभियंताओं एवं कार्मिकों को इस अवार्ड के लिए चयनित होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी। श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना को यह अवार्ड 18 दिसंबर को भुवनेश्वर में आयोजित होने वाले समारोह में दिया जाएगा।

सबसे अधिक उत्पादन क्षमता वाला विद्युत गृह

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की प्रदेश में सबसे बड़े ताप विद्युत गृह के रूप में श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना दोंगलिया (खंडवा) की पहचान है। इसकी वर्तमान उत्पादन क्षमता 2520 मेगावाट है। इस विद्युत गृह में 600 मेगावाट की दो और 660 मेगावाट की दो ताप विद्युत यूनिट हैं।

सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर विशेष ध्यान

श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना में व्यावसायिक सेफ्टी (सुरक्षा), स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया है। विद्युत परियोजना द्वारा कलिंगा अवार्ड के लिए निर्धारित मापदंड OSH OSH (Occupational Safety and Health) और SHE (Safety, Health, and Environment) को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया है।

आयुर्वेद जीवन पद्धति है, योग से मिलकर यह श्रेष्ठ जीवन पद्धति बन गया है

योग के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

आयुर्वेद जीवन पद्धति है, योग से मिलकर यह श्रेष्ठ जीवन पद्धति बना है। हमारे पूर्वजों से मिले आयुर्वेद के ज्ञान का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। पूर्वजों से हमें ज्ञान, परंपरा और आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की जानकारी मिली है, उसे आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। ग्रामीण समाज और जनजातीय समाज में आज भी पर्यावरण, प्रकृति, नदी पहाड़ का विशेष महत्व है। आयुर्वेद की जानकारी भारतीय परिवारों, ग्रामीण और जनजातीय समाज में आज भी प्रासंगिक है। पूर्वजों से मिले आयुर्वेद के ज्ञान को हमें संजोकर रखना है और इसका अधिक से अधिक प्रसार करते हुए आयुर्वेद के महत्व से सभी को जोड़ता है। यह बात आज प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने अष्टांग आयुर्वेद कॉलेज इंदौर में नव नियुक्त आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों एवं आयुर्वेद विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा हमारे पूर्वजों के ज्ञान को लेकर फैलाई गई भ्रांति को हमें दूर करना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम सभी भारत को विश्व गुरु बनाने के प्रयासों को सशक्त करें। 2047 में गौरवशाली और सशक्त भारत के निर्माण के लिए हर देशवासी को अपने-अपने स्तर पर सकारात्मक प्रयास करने की आवश्यकता है। देश में प्रधानमंत्री श्री मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में आयुर्वेद के क्षेत्र में प्रगति के विशेष प्रयास निरंतर किये जा रहे है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों आयुर्वेद अधिकारियों और विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि देश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है, उसी प्रकार आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में भी नवीन रिसर्च और आयुर्वेद चिकित्सा सेवा का अधिक से अधिक प्रसार करते हुए अपना योगदान दें। मंत्री श्री परमार ने तुलसी के पौधे के आयुर्वेदिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा भारतीय परम्परा और ज्ञान में विज्ञान समाहित है। उन्होंने कहा प्रकृति परीक्षण अभियान के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति के स्वास्थ्य की प्रकृति के परीक्षण का अभिनव अभियान प्रारंभ किया गया है। उन्होंने आयुर्वेद चिकित्सा सेवा प्रसार और व्यवस्थाओं के लिए हर संभव सहयोग के लिए आश्वस्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गैस त्रासदी के दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल गैस त्रासदी की 40वीं बरसी पर दिवंगतों को भावभीनी श्रद्धांजलि दीं। उन्होंने कहा कि दुनिया की इस भीषण त्रासदी के दिन मैं भोपाल प्रवास पर ही था। इसकी तकलीफ सिर्फ वो ही समझ सकता है, जिसने इसे वास्तविक रूप से भोगा है। उन्होंने कहा कि मैंने स्वयं जाकर गैस प्रभावित क्षेत्रों में भ्रमण किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गैस त्रासदी में प्रभावितों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए भगवान श्री महाकाल से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना में अनेक लोग असमय काल के ग्रास में समा गए, जो बचे वो किसी न किसी रूप से एमआईसी गैस के दुष्प्रभावों से कई साल पीड़ित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ईश्वर से दिवंगत एवं पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदनाएं एवं सहानुभूति व्यक्त की।

ठंडी पड़ी पार्किंग और ट्रैफिक आसान करने की मुहिम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में दीपावली के पहले शहर में नगर निगम द्वारा छेड़ी गई बिल्डिंगों में पार्किंग स्थलों से अतिक्रमण हटाने और सड़कों को कब्जों से मुक्त करने की मुहिम ठंडी पड़ गई है। सड़कों पर फिर अतिक्रमण है और बिल्डिंगों के बाहर सड़कों पर वाहनों की पार्किंग हो रही है। शहर में जहां पार्किंग की सबसे ज्यादा परेशानी है, वहां नगर निगम ने सिर्फ नोटिस थमाए, लेकिन एक्शन नहीं हुआ।

इंदौर में तीन माह पहले बड़े जोर शोर

से शहर की 100 से ज्यादा बिल्डिंगों को सील किया गया था,क्योंकि उन बिल्डिंगों में पार्किंग के स्थान दफ्तर और दुकानें संचालित हो रही थी। निगम ने उन्हें तोड़ने के बजाए सील कर दिया। उनमें से कई स्थानों पर फिर वही गतिविधियां शुरू हो गई है। इसकी शिकायतें भी अफसरों तक पहुंची है। इसके चलते अब फिर से उन बिल्डिंगों की जांच की जाएगी। उधर शहर के प्रमुख मार्गों पर दुकानों से कब्जे और नो पार्किंग में खड़े वाहनों के चालान बनाने की मुहिम भी शुरू हुई थी, लेकिन दीपावली के पहले सपना संगीता क्षेत्र के व्यापारियों ने विरोध किया था और कहा था कि त्यौहार के समय इस तरह की मुहिम नगर निगम चला कर व्यापारियों का नुकसान कर रहा है। इसके बाद निगम की मुहिम ठंडी पड़ गई। तब मोबाइल कोर्ट चलाने की तैयारी भी की गई थी। इसके लिए विशेष वाहन भी तैयार किया गया, लेकिन वह भी संचालित नहीं हो पा रही है।

जेलरोड पर नहीं बनी पार्किंग की जगह

इंदौर के व्यस्त मार्केट जेलरोड पर 30 से ज्यादा बिल्डिंगों में छोटी-छोटी दुकानें संचालित होती है। यहां तलघर में पार्किंग की जगह है, लेकिन वहां भी दुकानें चल रही है। इस मार्केट की कुछ बिल्डिंगों में दुकानें सील हुई, लेकिन अभी भी पार्किंग सड़कों पर हो रही है।

मध्यप्रदेश सरकार बनी श्रमिकों का संबल

मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना अंतर्गत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

द्वारा

10,236 श्रमिक परिवारों को ₹225 करोड़ की अनुग्रह राशि का अंतरण

4 दिसम्बर, 2024 । मंत्रालय, भोपाल

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

संबल योजना में अब गिग वर्कर्स भी शामिल

- संबल योजना में 1 करोड़ 73 लाख से अधिक श्रमिक भाई-बहन पंजीयन करा चुके हैं।
- अब तक कुल 6 लाख 16 हजार से अधिक प्रकरणों में ₹5 हजार 626 करोड़ से अधिक का हितलाभ वितरण किया गया है।
- पंजीकृत श्रमिक की सामान्य मृत्यु पर ₹2 लाख, दुर्घटना मृत्यु पर ₹4 लाख की अनुग्रह सहायता।
- पंजीकृत श्रमिक की स्थायी अपंगता पर ₹2 लाख, आंशिक स्थायी अपंगता पर ₹1 लाख की सहायता।
- पंजीकृत श्रमिक व पंजीकृत श्रमिक के परिवार के सदस्य की मृत्यु होने पर ₹5 हजार की अंत्येष्टी सहायता।
- सभी संबल हितग्राहियों को आयुष्मान भारत निरामयम योजना अंतर्गत पात्र श्रेणी में चिन्हित किया गया है।
- संबल हितग्राहियों को रियायती दरों पर राशन की सुविधा।
- संबल हितग्राहियों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना अंतर्गत महाविद्यालय (मेडिकल, विधि, इंजीनियरिंग, पॉलीटेक्निक आदि) में शिक्षा हेतु सम्पूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है।
- पंजीकृत महिला श्रमिक व पुरुष श्रमिक की पत्नी को प्रसूति सहायता योजना अंतर्गत कुल 16 हजार की राशि की सहायता।

D-11108/24

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

ठंड का पता चल रहा न मिल रहा बारिश का अनुमान

कटनी ■

कृषि मौसम सेवा के माध्यम से किसानों को पांच दिन पहले से ही आने वाले मौसम में होने वाले बदलाव की जानकारी मिल जाती है। बारिश होना है, कोहरा रहेगा, या पाले व तुषार का खतरा है या फिर कबतक बारिश की संभावना नहीं है, कहां पर पश्चिम विक्षोभ बन रहा है या फिर द्रोणिका गुजर रही है, सब कुछ स्थानीय स्तर पर पता चल जाता है, जिसके आधार पर अन्नदाता खेती व कारोबारी उसी के अनुसार आगे की रणनीति बनाते हैं, लेकिन पिछले एक सप्ताह से पिपरौंध स्थित कृषि विज्ञान केंद्र का आटोमेटिक वेदर स्टेशन बंद पड़ा है। स्टेशन बंद होने के कारण ठंड का पता चल रहा है और न ही बारिश के अनुमान का।

जानकारी के अनुसार आटोमेटिक वेदर स्टेशन में तकनीकि खराबी के चलते मशीन पूरी तरह से ठप हो गई है। मशीन के सुधार के लिए स्थानीय स्तर पर टेक्नीशियन न होने के कारण केंद्र के वैज्ञानिक भी हलाकान है। ठंड के मौसम में कोहरा, शीतलहर व बारिश के अनुमान को लेकर भी वैज्ञानिक आशंकित है। ऐसी स्थिति में आगामी मौसम के बारे में किसानों को जानकारी नहीं मिल रही है और न ही शीतलहर की आशंका पर अलर्ट जारी किया जा रहा है।

इसलिए जरूरी है मौसम की जानकारी

प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को आगामी पांच दिन के मौसम का नाऊकास्ट बनता है। 12 घंटे के लिए भी नाऊकास्ट तैयार होता था। एडवायजरी के बारे में जानकारी मिल जाती है, लेकिन स्टेशन बंद होने से समस्या हो रही है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा शीतलहर से बचाव के लिए नागरिकों को सलाह दी गई है कि शीतलहर का प्रभाव प्रत्येक वर्ष दिसम्बर-जनवरी के महीनों में होता है। डॉ. आरके आठ्या ने बताया कि शीत लहर का नकारात्मक प्रभाव 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों, वृद्धजनों पर अधिक होता है। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों, बेघर व्यक्तियों, दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित मरीजों एवं खुले में व्यवसाय करने वाले छोटे व्यापारियों पर भी शीत लहर का प्रभाव पड़ता है। ठंड एवं शीतलहर से नाक बहना, नाक बंद होना, फ्लू, नाक-कान से खून आना, हाथ की ऊंगलियों, कान-नाक अथवा पैर की ऊंगलियो में सफेदी या फीकापन, कपकपी आना, बोलने में कठिनाई, अधिक नींद अना, मांसपेसियो में अकडन, सांस लेने में तकलीफ, कमजोरी, हाईपोथरमिया, अत्पताप जैसे लक्षण सामान्यत पाए जाते है।

इनका कहना

आटोमेटिक वेदर स्टेशन खराब हो गया है। स्थानीय स्तर पर इंजीनियर न होने के कारण सुधार नहीं हो पा रहा है। रीजनल मौसम केंद्र भोपाल इस संबंध में जानकारी भेजी गई है।

संदीप चंद्रवंशी, मौसम एवं कृषि वैज्ञानिक

सुविधाघर को तोड़कर दुकान बढ़ा ली, अनदेखी करने वाले दो अफसर नपे, एफआईआर भी होगी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मार्केट के दूसरे शौचालय के पास भी बनी दुकान

जेल रोड के नगर निगम मार्केट के समीप चिमनबाग गेट पर भी सार्वजनिक शौचालय बना हुआ है। चार साल पहले उस शौचालय के पास भी एक दुकान बना ली गई थी। तब भी यह मामला दुकानदारों ने उठाया था, लेकिन कोई एक्शन नहीं हुआ।

इंदौर के जेलरोड क्षेत्र में एक सुविधाघर को तोड़कर पड़ोस के दुकानदार ने दुकान बना ली। दूसरे दुकानदारों को जब परेशानी होने लगी तो उन्होंने जोनल स्तर पर अफसरों को शिकायत की। अफसर मामले की अनदेखी करते रहे। बाद में मामला निगमायुक्त तक पहुंचा, तो उन्होंने न केवल सुविधाघर को कब्जे से मुक्त कराया, बल्कि अनदेखी करने वाले भवन निरीक्षक धीरेंद्र बायस और सुपरवाइजर सागर गावड़े को निलंबित कर दिया।

बायस चार साल पहले बल्लाकांड के फरियादी रहे है। उनकी शिकायत पर पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय पर प्रकरण दर्ज किया गया है। अब वे शौचालय से कब्जा नहीं हटाने के चक्कर में नप गए। शौचालय पर कब्जा करने वाले दुकानदार हेंमत चौरसिया के खिलाफ नगर निगम प्रकरण भी दर्ज करा रहा है। दुकानदार ने अपनी दुकान की दीवार तोड़कर शौचालय को दुकान में मिला लिया था और बाहर से शटर लगा लिया था। नगर निगम ने शटर तुड़वा कर शौचालय को कब्जे से मुक्त कराया है।

शराब का अवैध धंधा करने वालों ने शराब कंपनी के कर्मचारी को पीटा

छतरपुर ■

छतरपुर के गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र में निवारी बस स्टैंड पर मंगलवार की दोपहर करीब 12 बजे शराब कंपनी के कर्मचारी की कार रोककर करीब आधा दर्जन लोगों ने हमला कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची डायल-100 पुलिस के सामने भी दोनों पक्षों में मारपीट होती रही, बाद में पुलिस के सामने ही फायरिंग करते हुए आरोपी मौके से भाग निकले।

बताया गया है कि हमला करने वाले लोग निवारी इलाके में शराब का अवैध कारोबार करते हैं, जिसके चलते यह पूरा विवाद हुआ है। घटना के बाद शराब कंपनी के पीड़ित कर्मचारी ने आरोपियों पर लूट के भी आरोप लगाए हैं। गढ़ीमलहरा की शराब दुकान के कर्मचारी शिवम पाल ने बताया कि मंगलवार की दोपहर करीब 12 बजे वह गढ़ीमलहरा से 1 लाख 90 हजार रुपए लेकर निवारी की शराब दुकान पर आ रहा था, तभी निवारी के बस स्टैंड पर धीरेंद्र राजा और छोटू राजा ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर उसे रोक लिया। जैसे ही शिवम ने कार रोकी, उक्त आरोपियों ने उसे बाहर निकालकर गाली-गलौज करते हुए पीटना शुरू कर दिया, साथ ही उसके पास मौजूद 1 लाख 90 हजार रुपए छीन लिए। करीब 20 मिनट तक मारपीट का सिलसिला चला तथा इस बीच आरोपियों ने दो हवाई फायर भी किए। इसके बाद डायल-100 वाहन मौके पर पहुंचा, लेकिन आरोपी तब भी नहीं रुके, पुलिस के सामने भी काफी देर तक मारपीट होती रही। बाद में एक और हवाई फायर हुआ और इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पूरे घटनाक्रम का मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने वीडियो बना लिया था, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

एमपी के 10 हजार परिवारों को 225 करोड़ की सौगात, खातों में राशि डालेगी सरकार

भोपाल ■

मध्यप्रदेश में 10 हजार परिवारों को राज्य सरकार 225 करोड़ रुपए की सौगात दे रही है। यह राशि बैंक खातों में डाली जाएगी। संबल योजना में शामिल लोगों को यह लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 4 दिसम्बर को सिंगल क्लिक से राशि अंतरित करेंगे। संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता के प्रकरणों में मजदूरों के परिवारों को सहायता के रूप में यह राशि दी जा रही है। इसके लिए भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल भी उपस्थित रहेंगे।

प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों मजदूरों के लिए संबल योजना बेहद लाभप्रद योजना है। इसमें मजदूरों को जन्म से लेकर मृत्यु तक आर्थिक सहायता दी जाती है। संबल योजना में अंत्येष्टि सहायता, मृत्यु या दिव्यांगता पर अनुग्रह सहायता, शिक्षा प्रोत्साहन, प्रसूति सहायता, आयुष्मान भारत, राशन पर्ची आदि का लाभ दिया जा रहा है। बुधवार को डॉ. मोहन यादव संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह सहायता के कुल 10 हजार 236 प्रकरणों में राशि जारी करेंगे। मजदूरों के परिवारों को 225 करोड़ रुपए की सहायता राशि बैंक खातों के माध्यम से वितरित की जाएगी। बता दें कि प्रदेश में अब तक 1 करोड़ 73 लाख मजदूरों का संबल 2.0 योजना के अंतर्गत पंजीयन किया जा चुका है। संबल योजना में अनुग्रह सहायता में दुघर्टना में मृत्यु होने पर 4 लाख रूपए और सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रूपए दिए जाते हैं। स्थायी अपंगता पर 2 लाख रुपए और आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख रूपए का प्रावधान है। अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार रूपए दिए जाते हैं। प्रसूति सहायता के रूप में 16 हजार रूपए दिए जाते हैं। मजदूरों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध करवाई जाती है। लाखों मजदूरों और प्लेटफार्म वर्कर्स को भी संबल योजना में शामिल कर इनका पंजीयन किया गया है। सभी संबल हितग्राहियों को आयुष्मान योजना के अंतर्गत पात्र किया गया है। इससे वे 5 लाख रूपए की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा ले सकते हैं।

सेवानिवृत्त शासकीय सेवक ने सेना के प्रति सहयोग की अनूठी मिसाल की कायम

इंदौर। इंदौर की एक सेवानिवृत्त शासकीय सेवक ने सेना के प्रति सहयोग की अनूठी मिसाल कायम की है। कस्टम एवं सेंट्रल एक्साइज से सेवानिवृत्त कार्यालय अधीक्षक श्रीमती रीता मित्रा ने सैनिकों के सहायतार्थ एक लाख पांच हजार रुपए का सहयोग दिया है। उन्होंने सशस्त्र सेना झण्डा निधि के लिये इस राशि का चेक जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर नगेश चंद्र मालवीय को सौंपा। इस प्रशंसनीय योगदान के लिए आगामी वर्ष फरवरी-मार्च 2025 में राजभवन मध्यप्रदेश भोपाल में आयोजित होने वाले समारोह में महामहिम राज्यपाल द्वारा इन्हें सम्मानित भी किया जाएगा। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर सौंपी गई यह राशि पूर्व सैनिकों के कल्याण एवं पुनर्वास के लिए उपयोग में लायी जाएगी।

कार्यालय कलेक्टर जिला बड़वानी, म.प्र.

कमांक/8208/भू–अर्जन/रीडर/2024 बड़वानी, दिनांक 18/11/2024

:: सार्वजनिक सूचना ::

(अंतर्गत मध्यप्रदेश शासन की आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति 2014)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सरदार सरोवर परियोजना, तहसील बडवानी जिला बड़वानी के अंतर्गत सरदार सरोवर परियोजना के पूर्ण जलभराव से आई अतिरिक्त डूब प्रभावित ग्राम नन्दगॉव (पटवारी हल्का नं 08) तहसील बडवानी जिला बडवानी के खाताधारक की निजी भूमि मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के आदेश क्रमांक एफ.12–2/2014/सात/2ए/भोपाल, दिनांक 12–11–2014 के तहत आपसी सहमति से क्रय किया जाना प्रस्तावित है।

अतः निम्नलिखित भूमि से किसी व्यक्ति/संस्था को भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो वह अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में सूचना प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में आधार सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात् किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेंगा।

स. क.	कृषक का नाम व पिता /पति का नाम	खसरा कमांक	अर्जित की जाने वाली भूमि का रकबा (हेक्टर में)			परिसम्पत्ति का विवरण
			सिंचित	असिंचित	कुल	
1	नारायण पिता हरजी	26/13	0.599	–	0.599	–

नोटः– 1. भूमि के नक्षे (प्लान) का निरीक्षण भू–अर्जन एवं पूनर्वास अधिकारी एवं कार्यपालन यंत्री (लोनिवि), नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, पूनर्वास संभाग बडवानी के कार्यालय में किया जा सकता है ।

G-19753/24

■ दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।
■ देर से घर आए लेकिन दुरुस्त आए, धीरे चले सुरक्षित चले।

कलेक्टर
जिला बड़वानी

धीरेंद्र शास्त्री के बाद मोहन सरकार की महिला मंत्री निकाल रही यात्रा

सतना ■

मध्यप्रदेश में इन दिनों धार्मिक यात्राएं निकल जा रही है। हाल ही में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 9 दिन की धार्मिक यात्रा निकाली थी। अब मोहन सरकार की एक महिला मंत्री भी धार्मिक यात्रा पर निकली हैं। राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी यह यात्रा अपनी मन्नत पूरी होने पर शुरू की है। वह सतना जिले के सोहावल देवी मंदिर से मैहर माता मंदिर तक 45 किलोमीटर की लंबी पैदल यात्रा करेंगी। यात्रा दो दिन में पूरी होगी।

दरअसल, मोहन सरकार में नगरीय प्रशासन और आवास राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी 3 दिसंबर से पैदल यात्रा शुरू की है। यह यात्रा मंत्री प्रतिमा बागरी के लिए विशेष महत्व रखती है, क्योंकि उन्होंने विधायक बनने और मंत्री पद मिलने की मन्नत मां शारदा से की थी। उनकी यह मन्नत पूरी हो गई, ऐसे में मन्नत पूरी होने के एक साल बाद मंत्री ने अब यात्रा शुरू की है। यह यात्रा जिले की बड़ी धार्मिक यात्रा बन चुकी है। जिसकी चर्चा सियासी गलियारों में भी हो रही हैं। मंत्री प्रतिमा बागरी का कहना है कि यह पूरी तरह एक धार्मिक यात्रा है, जिसमें उनका संकल्प पूरा करने के लिए वे निकली हैं और लोग उनके साथ जुड़ते जा रहे हैं। इस यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह दिख रहा है। मंत्री प्रतिमा बागरी की यात्रा का समापन 4 दिसंबर को मैहर के प्रसिद्ध माता शारदा मंदिर में होगा, जहां पूजा पाठ के बाद वह कल अपनी यात्रा का समापन करेंगी। यह यात्रा मैहर और सतना दो जिलों से होकर गुजरेगी, ऐसे में यहां के बीजेपी नेता भी यात्रा में शामिल होंगे. प्रतिमा बागरी सतना जिले की रैगांव विधानसभा सीट से विधायक हैं, वह 2023 में पहली बार बीजेपी से विधायक बनी हैं, जिसके बाद उन्हें मोहन सरकार में राज्यमंत्री बनाया गया है। बता दें कि मध्य प्रदेश में हाल ही में बागेश्वर धाम के प्रमुख पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भी बागेश्वर धाम से ओरछा मंदिर तक धार्मिक यात्रा निकाली थी। जिसकी चर्चा पूरे देश में हुई थी। जबकि अब मोहन सरकार की मंत्री प्रतिमा बागरी की यात्रा की चर्चा भी सियासी गलियारों में हो रही है।

Change in Name

It is to bring kind Notice to the people that my Daughter previous name **Ku. Mahi D/o. Mr. Dharmendra Choudhari** has been changed to **Ku. Khushi D/o. Dharmendra Choudhari** Therefore, in future my Daughter will be known by the her new name only.

Add : Atawada, B.O. Indore {M.P} 453001

मुख्यमंत्री का चुनाव हाई कमान अथवा विधायक दल कौन नहीं कर पा रहा है? नेता का चुनाव व प्रक्रिया! कहीं भाजपा का कांग्रेसीकरण तो नहीं?

राजीव खंडेलवाल
(लेखक वरिष्ठ कर सलाहकार)
Email- rajeevakhandelw-al@yahoo.co.in
Blog-www.aandolan.com
ग्लोबल हेराल्ड

अप्रत्याशित बहुमत! तो अप्रत्याशित देरी?! फिर हाय तौबा क्यों?

अभी तक कई मामलों को लेकर मध्य प्रदेश को अजब प्रदेश गजब-प्रदेश की संज्ञा दी जाती रही है। एम पी अजब है, सबसे गजब है। परंतु विधायक दल के नेता (मुख्यमंत्री) के चुनाव को लेकर महाराष्ट्र ने मध्य प्रदेश की उक्त टैगलाइन पर बाजी मार ली है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में आपको कभी ऐसा याद नहीं आता होगा कि विधायक दल का नेता चुने बिना शपथ समारोह की तारीख, समय, स्थल, मंच सब कुछ तय हो गया हो। अभी तक तो विधायक दल की बैठक ही नहीं हो पाई है, जो एक बार 2 तारीख को बुलाई जाकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कारण स्थगित कर दी गई। महाराष्ट्र शायद इस मामले में केंद्रीय नेतृत्व जहां नरेंद्र मोदी को भाजपा संसदीय दल का नेता चुने बिना एनडीए का नेता चुन लिया गया था अथवा अमेरिका का अनुसरण कर रहा है, जहां शपथ ग्रहण की तारीख संवैधानिक रूप से 20 जनवरी स्थाई रूप से निश्चित रहती है। महाराष्ट्र में युति के घटक राकांपा और शिवसेना के विधायक दल की बैठक होकर उनके नेता चुने जा चुके हैं। परंतु भाजपा विधायक दल का नेता अभी तक नहीं चुना गया है। कल होने वाली विधायक दल की बैठक में पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में नेता चुना जाएगा जो महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री होगा।

सब कुछ निश्चित होने के बावजूद इतनी अनिश्चितता क्यों?

प्रश्न यह है कि चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ होने पर 24 नवंबर को परिणाम आने के बाद 5 वर्ष की अवधि समाप्त होने के पूर्व 26 नवंबर तक मुख्यमंत्री पद की शपथ न होने पर संवैधानिक संकट खड़ा होने की आशंका मीडिया में व्यक्त की जा रही थी। महाआघाड़ी के बहुमत मिलने के आशा/आशंका के कुछ एग्जिट पोल के चलते मुख्यमंत्री पद को लेकर घटक दलों में परस्पर झगड़े के चलते इतनी कम अवधि में नेता न चुने जाने की स्थिति में राष्ट्रपति शासन लागू करने की आशंका तक व्यक्त की गई थी, जिसकी चर्चा आज नदारद है। शायद इसलिए कि कुछ संवैधानिक विशेषज्ञों के अनुसार महाराष्ट्र विधानसभा के पिछले इतिहासों को देखते हुए विधानसभा के कार्यकाल की 5 साल से ज्यादा की अवधि (दो शपथ ग्रहण के बीच की अवधि) के रहे हैं। प्रश्न यह है महाराष्ट्र में ऐतिहासिक, अप्रत्याशित, प्रचंड बहुमत युति (एनडीए) के मिलने, किसी भी विपक्षी दल को मान्यता प्राप्त विपक्षी नेता लायक विधायकों की संख्या का न मिलना, तथाकथित संवैधानिक संकट सामने होने के, व 10 दिन व्यतीत हो जाने के बावजूद विधायक दल के नेता का चुना न जाना सब कुछ ठीक है की राजनीतिक स्थिति पर प्रश्न चिन्ह नहीं लगता है? शायद लगता है, लेकिन कहें किस से। रहिमन निज मन की व्यथा, मन ही राखो गोय! खासकर इस स्थिति को देखते हुए कि कल होने वाले विधायक दल के चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नेता के रूप में चुना जाना तय है ' विधायक दल के नेता के चुने जाने में हो रही देरी की स्थिति क्या बीजेपी हाईकमान के कमजोर होने का संकेत है, अथवा एकनाथ शिंदे को कंकर बीनते हीरा मिलने अर्थात उम्मीद से ज्यादा बहुमत मिलने पर उनकी सौदेबाजी की स्थिति का मजबूत होना है? इन बातों का खुलासा तो बाद की राजनीतिक घटनाओं से ही निकल कर आ पाएंगी ' दरअसल महायुति का हर घटक दल यह मान कर चल रहा है कि उसी के खोदने से गंगा आयी है। यही कारण है कि कोठी में चावल और घर में उपवास जैसी स्थिति बन गयी है।

भाजपा का पार्टी विद द डिफरेंस का नारा! धरातल पर कितना?

पार्टी विद द डिफरेंस का नारा देकर कांग्रेस को सत्ताच्युत कर सत्ता में आने वाली भाजपा ने वास्तव में क्या डिफरेंस (अंतर) व डिफरेंट पार्टी दोनों को समाप्त कर दिया है ? शायद इसीलिए राजनीतिक हलकों में यह कहा जाता है कि जिस तरह से विभिन्न प्रदेशों में भाजपा के मुख्यमंत्रीयों के चुनाव हो रहे हैं, खासकर पिछले 5 वर्षों में, उससे न केवल भाजपा का तेजी से कांग्रेसीकरण हो रहा है, बल्कि वह उससे दो कदम और आगे बढ़ गई है ' सच है कोतवाल को कोतवाली ही सिखाती है। जनसंघ से लेकर भाजपा तक कांग्रेस हाई कमान कल्चर की कड़ी आलोचक रही भाजपा पर्ची के द्वारा मुख्यमंत्री का चुनाव करने का नया तरीका ईजाद कर इस मुद्दे पर जनता की नजरों में शर्मसार रही कांग्रेस को सिर ऊंचा उठाने का सुनहरा अवसर भाजपा ने प्रदान कर दिया ' परंतु कांग्रेस बीजेपी समान प्राप्त सुनहरे अवसरों को भुनाने में प्रायः असफल ही रही है ' तथापि कांग्रेस इस मामले में नौटंकी जरूर करती रही है । मतलब विधायक दल की बैठक बुलाकर, पर्यवेक्षक गण एक-एक विधायकों से उनका मत लिखित में लेकर और फिर कांग्रेस हाई कमान की इच्छा अनुसार निर्देशित किये व्यक्ति का नाम विजयी घोषित कर अथवा विधायक दल कांग्रेस हाई कमान को नेता चुनने का अधिकार देकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया की औपचारिकता को पूर्ण करना मान लिया जाता रहा ' मतलब न्यूनतम लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपनाने की नौटंकी जरूर की जाती थी। परंतु पर उपदेश कुशल बहुतेरे की उक्ति को चरितार्थ करने वाली भाजपा उक्त नौटंकी को भी दर किनार कर दिल्ली से लिखित में नाम लिखकर लाई पर्ची को मुख्यमंत्री पद के रहे दावेदारों से ही पर्ची खुलवाकर नाम पढ़वा कर दावेदारों को जलील कर, नए मुख्यमंत्री का चुनाव नहीं चयन पिछले कुछ समय से भाजपा द्वारा किया जाकर उस कांग्रेस को जिसने आपातकाल लागू कर लोकतंत्र को हांसिये में ढकेल दिया था, की जवाबी कार्रवाई के रूप में लोकतंत्र को इस तरह से मजबूत कर रही है? देश के लोकतंत्र व संवैधानिक मयार्दाओं की यह दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक स्थिति है'

न्यूज ब्रीफ

प्रदेश के कई जिलों में छाए बादल,तापमान में हुई वृद्धि, दो जिले छोड़ सभी में 10 डिग्री से ऊपर रहा पारा, पहाड़ों में बर्फबारी से प्रदेश में बढ़ेगी थी ठिठुरन

भोपाल। फेंगल तूफान के असर से मध्य प्रदेश में मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। मंगलवार को कई जिलों में बादल छाए रहे। हालांकि प्रदेश के दो जिले छोड़ के सभी जिलों के न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई है। टीकमगढ़ और नौगांव को छोड़कर सभी जिलों का तापमान 10 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल में भी सुबह बादल छाए रहे बाद में मौसम साफ हो गया। मौसम विभाग का कहना है कि चक्रवात के असर से दिन के समय तापमान में वृद्धि होगी, लेकिन रात के तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। दिसंबर माह में कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना जताई जा रही है। मध्य प्रदेश के न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई है कई जिलों में दो से तीन डिग्री तक तापमान ज्यादा दर्ज किया गया है। प्रदेश के दो शहर नौगांव और टीकमगढ़ छोड़कर सभी शहरों का तापमान 10 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। नौगांव 8.8 डिग्री, टीकमगढ़ 9.5 डिग्री, भोपाल 12.8 डिग्री, ग्वालियर 10.5 डिग्री, इंदौर 16.5 डिग्री, पचमढ़ी 12.5 डिग्री, जबलपुर 12.6 डिग्री, रीवा 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एमपी मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण पहाड़ों पर बर्फबारी होगी और मध्य प्रदेश में उत्तर-पश्चिमी हवाएं तेजी से आएंगी जिससे पूरे प्रदेश में ठंड बढ़ने की संभावना है। इसका असर ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभागों में ज्यादा देखने को मिल सकता है। ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभागों में रात के तापमान में गिरावट आएगी, जबकि इंदौर, भोपाल और जबलपुर को ठंड से थोड़ी राहत मिलेगी। मालवा-निमाड़ क्षेत्र में ठंड का असर ज्यादा देखने को मिलेगा।

सियार ने जबड़े में दबा लिया था बच्चे का सिर, चाचा ने लड़कर बचाई जान

मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर जिले से रोंगटे खड़े करने वाला मामले सामने आया है। यहां एक युवक बच्चे को बचाने के लिए सियार से लड़ गया और अपने 6 साल के भतीजे को बचा लिया। घटना रामनगर क्षेत्र के गोरसरी गांव की है। घटना की सूचना के बाद बच्चे और उसके चाचा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। जानकारी मुताबिक मंगलवार को छतरपुर निवासी 6 वर्षीय रामदेव अहिरवार पिता देशराज अहिरवार घर के अंदर बिस्तर में लेट कर मोबाइल चला रहा था। तभी एक सियार ने उस पर हमला कर दिया। बच्चों के रोने की आवाज सुनकर हल्के भाई अहिरवार पिता कलुआ बचाव करने पहुंचा। इस दौरान उसने बच्चे को तो बचा लिया, लेकिन सियार उस पर ही हमला कर दिया। फिलहाल दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जाता है कि गोरसरी गांव में एलएंडटी कंपनी के द्वारा काम कराया जा रहा है। कंपनी के द्वारा टंकी का निर्माण कराया जा रहा है। टंकी का निर्माण करने के लिए छतरपुर से कुछ परिवार अपने बच्चों को साथ लेकर पहुंचे हैं। फिलहाल इस घटना के बाद से श्रमिकों में हड़कंप मचा हुआ है। बच्चे के पिता देशराज अहिरवार अपनी जानकारी देते हुए बताया कि बच्चा बिस्तर में लेट कर मोबाइल चला रहा था, तभी जानवर हमला किया है। रोने की आवाज सुनने पर छोटे भाई ने बच्चें की जान बचाई है।

व्यक्तित्व विकास प्रस्तुति कौशल सीख रहे हैं युवा, मंच भय हो रहा है दूर

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी की प्राचार्य डॉ. वीणा सत्य के मार्गदर्शन में कार्यरत स्वामी विवेकानन्द करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए प्रस्तुति कला की सॉफ्ट स्किल का निरंतर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यकर्तागण डॉ. प्रीति गुलवानिया और वर्षा मुजाल्दे ने बताया कि युवाओं का मंच भय दूर करने के लिए उन्हें प्लेटफोर्म उपलब्ध करवाया जा रहा है। यह प्रशिक्षण सर्टिफाइड सॉफ्ट स्किल ट्रेनर डॉ. मधुसूदन चौबे द्वारा दिया जा रहा है। प्रशिक्षु देवप्रिया चौहान और हर्षिता चौहान ने अपना प्रजेंटेशन दिया तथा कहा कि उनका आत्मविश्वास निरंतर बढ़ता जा रहा है। सहयोग नागर सिंह डावर, अरविन्द चौहान, संजू डोडवे, कन्हैया लाल फूलमाली और बादल धनगर कर रहे है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मध्यप्रदेश के डॉ. शर्मा को राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार से किया सम्मानित

भोपाल। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को नई दिल्ली में छतरपुर जिले के डॉ. संजय कुमार शर्मा को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार से सम्मानित किया। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति की श्रेणी में व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार भी उपस्थित थे। डॉ. शर्मा पिछले 34 वर्षों से बुंदेलखंड क्षेत्र में मानसिक रोगियों के पुनर्वास के लिए कार्यरत हैं। अपने निजी प्रयासों और धन से वे मानसिक रोगियों को बचाने और समाज की मुख्य धारा में जोड़ने का काम कर रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य और नशा मुक्ति पर जागरूकता बढ़ाने में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही है।

नए साल में 6 वर्ष का इंतजार हो सकता है खत्म आरओबी के लिए मिला पहला ब्लॉक

सागर ■

मकरोनिया-झांसी रोड पर बन रहे रेलवे ओवरब्रिज के लिए पहला ब्लॉक मिला और करीब 15 प्रतिशत कार्य अधिकारियों ने कर दिया है। उम्मीद है कि अगले 15 से 20 दिनों में रेलवे अन्य ब्लॉक भी दे देगा और आरओबी का कार्य जनवरी के पहले ही खत्म हो जाएगा। आरओबी का कार्य पूरा होने से मकरोनिया-सदर के करीब 2 लाख से अधिक लोगों को सहूलियत होगी।

पहले ब्लॉक में गर्डर बूस्टिंग के लिए बड़े-बड़े पिलर पर टूडो गर्डर लगा दिए गए हैं, अब बूस्टिंग जो कार्य शेष है वह दूसरा व तीसरा ब्लॉक मिलने से तेजी से किया जा सकेगा। सेतू निर्माण के अधिकारियों की मानें तो पथरिया स्टेशन के पास चल रहे तीसरी लाइन के कनेक्टिविटी कार्य के चलते उम्मीद है कि रेलवे 15 दिन के अंदर 3 से 4 ब्लॉक और दे देगा जिससे की आरओबी का कार्य पूरा हो जाएगा। दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक कार्य पूरा हो जाएगा और 2025 नए साल में इसे आम लोगों के लिए खोला जा सकेगा। इससे सदर और मकरोनिया के लिए सीधी कनेक्टिविटी हो जाएगी।

3 और ब्लॉक में कार्य हो सकता है पूरा

रेलवे व सेतू निर्माण के अधिकारियों की मानें तो टूडो गर्डर रखने के बाद 3 और ब्लॉक में कार्य पूरा हो सकता है। अभी वैसे भी कई लोकल ट्रेनें निरस्त चल रहीं हैं, कुछ का रूट डायवर्ट किया गया है, ऐसे में दो-दो घंटे के तीन और ब्लॉक मिले तो आरओबी का कार्य पूरा हो जाएगा।

करीब 8 माह से रेलवे ब्लॉक का इंतजार

मकरोनिया-झांसी रोड के रेलवे गेट नंबर 28 पर 2018 से 15.15 करोड़ रुपए की लागत से आरओबी बन रहा है। 716 मीटर का यह आरओबी 2020 में बनकर तैयार हो जाना था। 5 से 6 बार कार्य को एक्सटेंशन दिया गया, जब विगत वर्ष करीब 95 प्रतिशत कार्य पूरा हुआ तो बूस्टिंग गर्डर, पुलिंग कार्य के लिए ठेकेदार ने 8 माह पहले शेड्यूल बनाकर भेजा था, लेकिन ब्लॉक नहीं मिल रहा है।

■ पहले ब्लॉक में करीब 15 प्रतिशत कार्य हो चुका है, 3-4 ब्लॉक की जरूरत और पड़ेगी। उम्मीद है कि 15-20 दिन में कार्य पूरा हो जाएगा। कोशिश करेंगे कि जल्द ही और ब्लॉक मिल जाएं। **साधना सिंह,** इंजीनियर सेतू निर्माण विभाग।

14 साल के बेटे ने चुपके से बना डाला मां का एमएमएस

मुरैना ■

मध्यप्रदेश के मुरैना में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 14 साल के बेटे अपनी मां का एमएमएस बना डाला और यही एमएमएस उसकी मौत का कारण बन गया। बेटा घर से लापता हुआ तो पिता ने उसकी गुमशुदगी पुलिस में दर्ज कराई थी जिसके बाद पूरी वारदात का पदार्फाश हुआ और बीहड़ से बेटे का शव बरामद किया गया है। बच्चे की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसकी मां व उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 14 साल का लड़का एक पंचर दुकान पर काम करता था। वो 27 नवंबर को लापता हुआ तो पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस को बच्चे की मां पर शक हुआ और जब पुलिस ने उससे पूछताछ की तो जो सच निकलकर आया वो हैरान कर देने वाला था। मां ने ही अपने प्रेमी के जरिए बेटे का कत्ल कराया था। लड़का जिस पंचर की दुकान पर काम करता था उसी के मालिक के साथ उसकी मां के अवैध संबंध थे। आरोपी मां ने पुलिस को बताया कि एक दिन वो अपने प्रेमी रफीक के साथ संबंध बना रही थी। तभी बेटा घर आ गया और उसने चुपके से मोबाइल से प्रेमी के साथ संबंध बनाते वक्त उसका अश्लील टटर बना लिया।

एमपी में स्कूल की छुट्टी के लिए छात्र को ही मार डाला, मऊगंज में सामने आई टीचर की करतूत

भोपाल ■

ऑफिस से छुट्टी के लिए लोग क्या क्या तिकड़में लगाते हैं, कैसे कैसे बहाने बनाते हैं, कितना झूठ बोलते हैं, ये हम सब जानते हैं। एमपी के मऊगंज में एक टीचर ने तो छुट्टी लेने के लिए तमाम हदें पार कर दीं। उसने स्कूल से छुट्टी लेने के लिए अपने ही एक छात्र को मृत बता दिया। हालांकि यह करतूत उसे बहुत महंगी पड़ गई है। छात्र के पिता ने टीचर की थाने में शिकायत कर दी वहीं कलेक्टर ने उसे निलंबित कर दिया है।

मऊगंज जिले के नईगढ़ी में यह घटना घटी। यहां के शासकीय नवीन प्राथमिक विद्यालय चिगिर का टोला के टीचर हीरालाल पटेल ने तीसरी क्लास के एक छात्र को मरा बता दिया। उसने छुट्टी पर जाने के लिए स्कूल के रजिस्टर में लिख दिया कि छात्र के अंतिम संस्कार में जा रहा हूं और स्कूल से चला गया। टीचर हीरालाल पटेल ने 27 नवंबर को स्कूल के रजिस्टर में नोट में

लिखा- मैं हीरालाल पटेल प्राथमिक शिक्षक दोपहर 1 बजे जितेंद्र कोरी पिता राम सूरज कोरी का देहांत हो जाने के कारण दाह संस्कार में जा रहा हूं। यह जितेंद्र कोरी मेरे विद्यालय में कक्षा 3 का नियमित छात्र है। बाद में जब छात्र जितेंद्र के पिता राम सूरज कोरी को इसकी जानकारी लगी तो वह थाने पहुंच गए और टीचर हीरालाल पटेल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। दरअसल टीचर हीरालाल पटेल ने मास्टर ग्रुप में भी यह बात पोस्ट कर दी थी जो?कि रामसूरज के हाथ लग गई। उसने मोबाइल से इसका प्रिंट निकलवाया और पुलिस को शिकायत कर दी। इधर कलेक्टर अजय श्रीवास्तव ने भी आरोपी टीचर को निलंबित कर दिया।

एएसआई ने पत्नी और साली की चाकू से गोदकर की हत्या

भोपाल ■

राजधानी के ऐशबाग इलाके में मंगलवार सुबह मंडला में पदस्थ एक एएसआई ने घर में घुसकर पत्नी और साली की चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी। दंपती के बीच पिछले पांच-छह सालों से पारिवारिक कलह चल रही थी। आरोपी एएसआई मंडला में पदस्थ है, जबकि उसकी पत्नी अपनी बहन के साथ भोपाल में रह रही थी।

घटना के समय आरोपी नौकरानी को धक्का देकर घर में घुसा और अंदर जाकर दरवाजा बंद कर लिया था। नौकरानी ने आसपास के लोगों को बुलाने का प्रयास किया, लेकिन उसके पहले ही एएसआई पत्नी और साली की हत्या के बाद मौके से फरार हो गया। आरोपी दोहरे हत्याकांड को अंजाम देकर भागते हुए सीसीटीवी में कैद हुआ। देर शाम उसे मंडला पुलिस की मदद से मंडला में गिरफ्तार कर लिया गया।

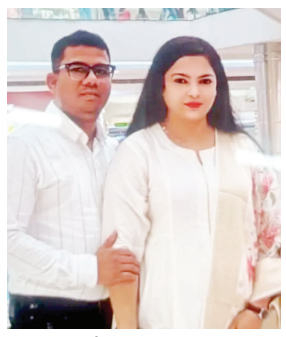

डीसीपी जोन क्रमांक-1 प्रियंका शुक्ला ने बताया कि मूलतः बालाघाट निवासी विनीता (38) की शादी कई साल पहले योगेश मरावी के साथ हुई थी। योगेश पुलिस विभाग में एएसआई है और वर्तमान में मंडला जिले के मवई थाने में पदस्थ है। दंपती के कोई संतान नहीं है। पिछले कुछ सालों से दोनों के बीच पारिवारिक कलह चल रही थी, जिसके चलते विनीता अपनी छोटी बहन मेघा उइके (32) के साथ भोपाल में रह रही थी। मेघा पद्मनाभ नगर स्थित सिम्मी अपार्टमेंट फेस-3 की दूसरी मंजिल पर रहती थी और शासकीय विभाग में लेखा अधिकारी के पद पर पदस्थ थी।

खटखटाया दरवाजा

मंगलवार सुबह हुई हत्या की घटना मंगलवार सुबह दोनों बहनें घर पर ही थीं। सुबह करीब साढ़े दस बजे घरेलू काम करने वाली नौकरानी सेवंती बाई ने दरवाजा खटखटाया तो विनीता ने खोला। नौकरानी अंदर जाती, उसके पहले वहां पहले से मौजूद विनीता के पति योगेश मरावी ने उसे धक्का देकर नौकरानी को घर में जाने से रोका और खुद कमरे के अंदर घुसकर भीतर से दरवाजा बंद कर लिया। योगेश के भीतर पहुंचते ही अंदर से महिलाओं की बचाओ-बचाओ की आवाज आने लगी। बाहर खड़ी सेवंती बाई ने पड़ोसी का दरवाजा खटखटाया, लेकिन वह तुरंत नहीं खुला। सेवंती बाई किसी और को बुला पाती, उसके पहले योगेश बाहर निकला और दरवाजे पर लटके ताले में चाबी डालकर चला गया।

मध्य प्रदेश को मिला 8वें टाइगर रिजर्व का तोहफा

भोपाल। राजधानी भोपाल, सीहोर और रायसेन वन क्षेत्र के बाघों को 16 वर्षों के संघर्ष के बाद सोमवार को टाइगर रिजर्व का सुरक्षा कवच मिल गया। सरकार ने रातापानी को 8वां टाइगर रिजर्व घोषित किया। इसका क्षेत्रफल 1271.465 वर्ग किमी होगा। 763.812 वर्ग किमी कोर और 507.653 वर्ग किमी बफर होगा। इस सीमा में विचरने वाले 75 से ज्यादा बाघ और हजारों वन्यजीवों की सुरक्षा बढ़ेगी। अब भोपाल ऐसी राजधानी हो गई, जिससे कुछ दूरी पर टाइगर रिजर्व की सीमा होगी। अब तक रातापानी वन्यजीव अभयारण्य था, केंद्र के राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने 2008 में रिजर्व बनाने की सहमति दी थी, पर निर्णय नहीं हो सका। नई सरकार के गठन के बाद मार्च 2024 में सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की पहली बैठक हुई। तब सीएम ने अफसरों को कहा था जल्द प्रक्रिया पूरी कर रिजर्व घोषित करें।

लाखों के जेवर लेकर घर से भागी दुल्हन

पीड़ित पति ने मामा ससुर के साथ एसपी को दिया आवेदन

दमोह ■

तेजगढ़ थाना क्षेत्र के इमलिया चौकी अंतर्गत आने वाले गोरख गांव निवासी राजा यादव ने बताया कि उसकी शादी दमोह से अप्रैल महीने में सामूहिक विवाह सम्मेलन से कांसाघाट गांव निवासी सुमन यादव के साथ हुई थी। सुमन घर में दो महीने रहने के बाद अपने मामा के यहां एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंच गई और वहां से कहीं भाग गई।

साथ ही तीन लाख रुपए के जेवर और 20,000 रुपए नगद भी ले गई। उन्हें इस बात की जानकारी तब लगी, जब वह अपनी दुल्हन को वापस लेने पहुंचे। लड़के के पिता जगदीश यादव ने बताया की यादव समाज में बहू को वापस विदा करने की परंपरा है। जब बेटे की शादी के बाद विदा होकर बहू घर आई तो दो माह के बाद अपने मामा के यहां

लमती गांव पहुंच गई और जब वह विदा करने मामा के घर पहुंचे तो पता चला की बहू 3 लाख 16000 के सोने चांदी की जेवर और करीब 20000 नगद लेकर घर से भाग गई है। क्योंकि यादव समाज में परंपरा है कि शादी चार महीने बाद बहू की विदाई कराई जाती है, लेकिन ससुराल में मामा के यहां आने के बाद बहू के भागने की बात पता चली। लड़की के मामा ने भी बताया कि भांजी घर से भाग गई है, इसलिए उन्होंने पुलिस में आवेदन देकर परिवार की जेवरात और भांजी को खोजने की मांग करते हुए कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में दूसरी बात यह भी सामने आई है की इमलिया चौकी में 24 नवंबर को लड़की के गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज है। मतलब लड़की पहले भाग गई थी और उसके बाद उसके ससुराल वाले जब उसे लेने पहुंचे, तब इस बात की जानकारी लगी। एसपी ने जांच के बाद उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

आयुक्त ने निगमाध्यक्ष को लिखे पत्र में बैठक की आगामी तिथि निर्धारित करने दिया सुझाव!

कटनी ■

नगर निगम द्वारा कई माह बाद 6 दिसंबर को नगर परिषद की बैठक बुलाए जाने के लिए सूचना जारी की गई है। इस बैठक के दौरान आयुक्त के अनुपस्थित रहने का मामला गमार्या हुआ है। पार्षदों, अधिकारियों में चर्चा है कि बैठक में मुखिया का रहना आवश्यक है, ऐसे में परिषद की बैठक में मुद्दों पर जवाब कौन देगा। वहीं अब इस मामले में आयुक्त ने निगमाध्यक्ष को पत्र लिखकर बैठक की तिथि अलग से निर्धारित करने का सुझाव दिया है, साथ ही यह भी कहा है कि बैठक के लिए उपायुक्त को अधिकृत किया जाएगा।

निगमाध्यक्ष मनीष पाठक को लिखे गए पत्र में आयुक्त ने कहा कि पारिवारिक वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलत होने के लिए 3, 4, 5 एवं 6 दिसम्बर तक आकस्मिक अवकाश एवं मुख्यालय छोडने.की अनुमति के लिए आयुक्त जबलपुर संभाग को पत्र कमांक 632 दिनांक 26 नवंबर को भेजा गया है। वहीं दूसरी ओर कार्यालयीन पत्र कमांक/82/ नि.स.कार्या./ 2024 कटनी 27 नवंबर प्राप्ति 28 नवंबर से सामान्य सम्मिलन 6 दिसंबर को आयोजित होने की सूचना प्राप्त हुई है।

डीसी संभालेंगे जिम्मेदारी!

आयुक्त ने निगम सम्मिलन आहूत करने के संबंध में पुर्नविचार करते हुए आगामी तिथि निर्धारित करने का सुझाव है, अन्यथा की स्थिति में 6 दिसंबर को आयोजित होने वाले निगम सम्मिलन में अधोहस्ताक्षरकर्ता के अवकाश, मुख्यालय से बाहर रहने के कारण पवन कुमार अहिरवार उपायुक्त (वित्त) को निगम आयुक्त के कर्तव्यों के निर्वहन के लिए अधिकृत करना होगा, युक्तियुक्त निर्णय के लिए पत्र भेजा गया है।

धर्मेंद्र के सदाबहार गीतों से सजी सुरमई शाम

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। नगर की सबरंग संस्था द्वारा स्थानीय ओमप्रकाश टॉकीज में फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र के सदाबहार गीतों की संगीत संध्या ने समा बांध दिया। संगीत संध्या में एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति फनकारों द्वारा दी गई। कार्यक्रम में गीतों के साथ शिक्षको एंव समाजसेवियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। मुख्यातिथि श्री महंत 1008 महामंडलेश्वर राजकुमार अग्रवाल, पूर्वमंत्री श्री दिलीप राजपाल, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा जी, सहायक जेलर इंदौर अर्चिता बर्डे, नपा उलाध्यक्ष मोहन जोशी, जयंत शर्मा जी, टी आई सेंधवा कुलदीप बिसेन, मोतीलाल चौधरी जी ने दीप जलाकर कार्यक्रम की

शुरूआत की। गाना गायाअथितियों का स्वागत मनोज पालीवाल, राधेश्याम शर्मा, एस एस यादव, अंकित गोयल, कमल शिंदे,भारतीय बर्डे, मीरा नवराय, सुपडू जाधव, गिरीश दर्शे, भगवान गायकवाड़ व भारत बुद्धदेव ने किया।सूत्रधार अनिस शेख व उज्जैन से आई गायिका संध्या गरवाल ने कैसी लग रही हूं गीत से आगाज किया। जिसे श्रोताओ ने खूब सराहा। उसके बाद इंदौर के आफताब आलम कुरेशी ने मैं यम जट ला पगला दीवाना गीत पेश कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। पी सी इंग्ले ने कोई हसीना जब रूठ जाती हैं की प्रस्तुति दी। अनिल चौधरी ने शिकार करने को आये गीत की प्रस्तुति दी। पूर्णिमा होल्कर ने हाई शरमाऊं व काँटा लगा गीत की प्रस्तुति दी। महाराष्ट्र से आई गायिका प्रज्ञा राठौर ने चलो सजना जहाँ तक जहाँ चले व अनिस शेख के साथ झिल मिल सितारों का सावन गीत की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। हरपाल छाबड़ा ने हम सफर मेरे हम सफर गीत गाया। सेंधवा के युवा गायक राहुल शर्मा ने ये समा तो जली गीत की प्रस्तुति दी। बापू हटकर ने पल पल दिल के पास गाकर समा वान्ध दिया। दीपेश जैन के शानदार संगीत संयोजन ने श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम संयोजक अनिस शेख ने क्विज पूछकर श्रोताओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन अनिस शेख ने किया। आभार प्रदर्शन मनोज पालीवाल ने किया।

रिटायर्ड बैंक कैशियर के घर में बदमाशों ने डाली डकैती

गुना। गुना में एक दर्जन हथियारबंद बदमाशों ने रिटायर बैंक कैशियर के घर में घुसकर डकैती की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया है। जानकारी सामने आई है कि मंगलवार तड़के 3 बजे 4 मोटरसाइकिल पर सवार होकर एक दर्जन बदमाश सकतपुर रोड पर सेवानिवृत्त बैंक कैशियर पार सिंह कुशवाह के घर में घुस गए। दो बदमाशों ने घर के परिसर में सो रही पार सिंह की पत्नि मुन्नीबाई की कनपटी पर कट्टा अड़ा दिया और उनके गले से मंगलसूत्र, कानों की बाली, पैर की पायल उतरवाकर चुपचाप खड़े रहने की चेतावनी देते हुए कमरों में घुस गए। बदमाशों ने पूरे घर की जमकर तलाशी ली और अलमारी के ताले तोड़ दिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना की सेविकाओं ने किया रक्तदान

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। आई जी कॉलोनी मे प्रभात फेरी निकाली गई एवं श्री श्याम सोनी, चैनसिंह अलावा, श्री अनिल गुप्ता एवं शिवकुंज पहाड़ी योगा ग्रुप के मार्गदर्शन में योगा किया गया। पहाड़ी के मार्गदर्शन मे परियोजना कार्य के अंतर्गत शिवकुंज आदियोगी प्रतिमा के पीछे वाला हिस्सा, सहयोग भवन के सामने वाले हिस्से तथा मेन रोड़ पर सफाई का कार्य किया। दोपहर भोजन पश्चात बौद्धिक सत्र में छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे 50 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं 7 छात्राओं द्वारा रक्तदान किया गया।

डॉ. पद्मा आर्य ने बताया कि पृथ्वी ही एक मात्र ऐसा ग्रह है जिस पर जीवन संभव है हमारे पास कोई दुसरा ग्रह नहीं है, जिस पर हम जा सके इसलिए पृथ्वी को बचाना जीवन बचाना है। अगर हम सख्त

कदम नहीं उठाते है तो हम आने वाली पीढ़ियों को हमेशा के लिए फलते - फुलते देखने का मौका खो देगे। सभी को एक ही उदेश्य से साथ आगे आना चाहिए कि हम इस ग्रह के निवासी है इसकी सुरक्षा हमारा अधिकार है। डॉ.सुनीता भायल रासेयो अधिकारी द्वारा बताया गया कि मानव स्वास्थ का मतलब शारीरिक, मानसिक, और सामाजिक रूप से स्वस्थ होना है। इसके साथ ही व्यक्ति की वैयक्तिक संतुष्टि का भी अहम योगदान होता है। मानव स्वास्थ को बेहतर बनाने के लिए अच्छे आसान और स्वस्थ आदतो का पालन एवं स्वास्थ पर नियंत्रण रखता है तो वह समर्थ जीवन का रहस्य जान लेता है। एक स्वस्थ व्यक्ति हमेशा कार्य करने और उत्पादक होने के लिए तैयार रहता है। संतुलित आहार, पर्याप्त निंद और नियमित व्यायाम स्वास्थ जीवन शैली की कुंजी है। जिला अस्पताल टीम द्वारा स्वयं सेविकाओं का स्वास्थ परीक्षण एवं सीकलसेल, एनीमिया, का परीक्षण किया गया। साथ ही स्वयं सेविकाओं एवं प्राध्यापकगण द्वारा रक्त दान भी किया गया। श्री संजय संवनेर ने कहां युवा वे है जिनके शब्दों में असंभव को संभव करने की क्षमता होती है जिनका व्यक्तित्व कमजोर है वह छोटी सी परेशानी से घबराना नहीं चाहिए।

सम्पादकीय

साबरमती का अवरुद्ध प्रवाह

कश्यप ऋषि के तप से प्रवाहित स्वजभ्रमति (साबरमती नदी) गंगा की तरह स्थान वस्तुओं को स्पर्श कर जीवंत बना रही है, जिससे वसुंधरा का भूषण समृद्ध है। सिने साहित्य से भी इससे स्त्रवित सृजन से प्रेरित रचनात्मकता की अपेक्षा है जिसके चिंतन और संवाद से समाज में ऐसा तादात्य स्थापित हो जहां सात्विक आकांक्षाये पल्लवित हों। समेकित घटना समेत स्वर्णिम अतीत की व्याख्या की उपेक्षा करते हुए फिल्म साबरमती रिपोर्ट की प्रस्तुति कुत्सित राजनीतिक मंसूबों को उजागर कर संवैधानिक मूल्यों का हनन करती प्रतीत होती है। स्वभ्रमति का अर्थ दरार या संधि से है जो अरावली के गर्भ से प्रभावित होने का संकेत है जिसकी महिमा को जैन मुनि बुद्धिसागर सुरीश्वर ने काव्यबद्ध किया है। महात्मा गांधी ने 25 मई 1915 को अहमदाबाद के कोचरब स्थित इसके तंत्र पर सत्य अहिंसा सेवा व्रत पर केन्द्रित तपस्थली बनाई जो स्वतंत्रता संग्राम की आत्मस्मृति है। आख्यानों में यहां ऋषि दाधीच का आश्रम था जिन्होंने लोक कल्याण के लिए अपनी अस्थियां समर्पित कर एक युग का परिष्कार किया, जिनका उद्घोष हमारी संस्कृति को गौरान्वित करता है।

राकेश कुमार वर्मा
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

27 फरवरी 2002 को साबरमती एक्सप्रेस पर हुई हिंसक घटना ने संत वल्लभाचार्य के उस आस्था का खंडन किया है जिसमें बताया गया था कि एक मुस्लिम ने अपनी बेटी को सपने में जो शहर (गोधरा) दिखाया था उसे किस तरह एक हिंदू परिवार को सौंप दिया । अवसरवाद की राजनीति ने इसके प्रतिशोध में जो दुष्परिणाम दिये उससे पूरा देश झुलस गया इसने कई निदोर्षों की न केवल जान ली बल्कि बिल्किसबानो जैसी अनगिनत अबलाओं के जख्मों को सीने में ही दफन करने को विवश किया । घटनाओं से आहत होकर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने जो प्रतिक्रिया दी वह आज स्वस्थ्य राजनीति का अनुपम उदाहरण है। महाभारत का दंभ भरने वालों को इसमें निहित तथ्यों का विश्लेषण करने की आवश्यकता है। वस्तुतः यह एक कुशल शासक बनाने के मापदण्ड निर्धारित करने के साथ ही यह बताता है कि इसके लिए क्या मूल्य चुकाना पड़ता है इसके बाद भी मोक्ष के लिए संघर्ष करना पड़ता है। लेकिन उसके प्रतिकूल कथित धर्मान्धता का षड़यंत्र बदस्तूर जारी है। आज इस प्रस्तुति से विविधताओं में एकत्व के दर्शन, त्याग, अहिंसा और बलिदान की यह धरा विभाजन विभीषिका के जख्मों से पुनः हरी हो गई जिसकी मुंजानिब कृश्न चंदर की पेशावर एक्सप्रेस बयां कर रही है। मेरे डिब्बों में अब, खून के छींटे नहीं हैं, वहशी खूनी कहकहे नहीं हैं मगर रात की तन्हाई में जैसे भूत जाग उठते हैं, मुर्दा रूहें बेदार हो जाती हैं और जख्मियों की चीखें और औरतों के बैन और बच्चों की पुकार, हर तरफ फिजा में गूँजने लगती है और मैं चाहती हूँ कि अब मुझे कभी कोई उस सफर पर न ले जाए। मैं इस शेड से बाहर निकलकर उस खौफनाक सफर पर दुबारा नहीं जाना चाहती । मैं अब उस वक़्त जाऊँगी, जब मेरे सफर पर दो तरफा सुनहरे गेहूँ के खलियान लहराएँगे, सरसों के फूल झूम-झूम कर पंजाब के रसीले उल्फत भरे गीत गाएँगे और किसान हिंदू और मुसलमान, दोनों मिलकर बीज बोएँगे, हरे-हरे खेतों में नलाई करेंगे खेत काटेंगे, और उनके दिलों में महर-ओ-वफा और आँखों में शर्म और रूहों में औरत के लिए प्यार और मुहब्बत और इज्जत का जज्बा होगा। मैं बेजान गाड़ी हूँ लेकिन फिर भी चाहती हूँ कि इस खून, गोश्त और नफरत के बोझ से मुझे फिर लादा जाए। मैं कहत-जदा इलाकों में अनाज ढोऊँगी। मैं कोयला और तेल और लोहा लेकर कारखानों में जाऊँगी। मैं किसानों के लिए नए हल और नई खाद मुहय्या करूँगी। मैं अपने डिब्बों में किसानों और मजदूरों की खुशहाल टोलियाँ लेकर जाऊँगी, और बा-इस्मत औरतों की मीठी निगाहें अपने मर्दों का दिल टटोल रही होंगी। और उनके आँचलों में नन्हे-मुन्ने खूबसूरत बच्चों के चेहरे कँवल के फूलों की तरह नजर आएँगे और वो इस मौत को नहीं बल्कि आने वाली जिंदगी को झुक कर सलाम करेंगे। जब न कोई हिन्दू होगा न मुसलमान बल्कि सब इंसान होंगे।

सांस्कृतिक पहचान को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक ?

-ललित गर्ग- | लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आर्थिक विरासत को कुचलने की चेष्टाएं अतीत से लेकर वर्तमान तक होती रही है। बहुत बड़ा सच है कि अगर किसी देश को नष्ट करना है तो उसकी सांस्कृतिक पहचान को खत्म कर दो। देश अपने आप नष्ट हो जाएगा। भारत पर हमला करने वाले विदेशी आक्रांताओं ने यही किया। इस्लामी आक्रांताओं ने न सिर्फ धन-संपदा लूटी बल्कि भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर मंदिरों और धार्मिक स्थलों को तोड़ कर मस्जिदें बना दीं। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के शत्रु एवं तथाकथित धर्म-निरपेक्षता की राजनीति करने वाले नेता इस बात को अधिक बेहतर समझते हैं, अतः उन्होंने इतिहास को झुठलाने, धुंधलाने और काल्पनिक बातें गढ़ने एवं फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया। हमारे नेताओं-नीतिकारों की नासमझी के कारण ही इसमें वे सफल भी रहे हैं। क्या यह स्थिति बदल रही है? देश में कुछ लोग सही इतिहास को उजागर करने एवं ऐतिहासिक विरासत को धुंधलाने एवं कुचलने की कुचेष्टाओं का परिमार्जन करने के लिये तत्पर हुए है, इसी का परिणाम है कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बाद आज सनातन संस्कृति का पुनरुद्धार हो रहा है। अयोध्या, काशी, मथुरा के बाद संभल और अजमेर दरगाह जैसे मामलों में साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीकों को हासिल करने के प्रयास हो रहे हैं। ऐसे प्रयासों के द्वारा अशांति फैलाने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि इतिहास बड़ी भूलों को सुधारना एवं वास्तविक तथ्यों को सामने लाना है। लेकिन, इसमें एक बड़ी बाधा है पूजा स्थल अधिनियम, 1991, जो देश में आजादी से पहले से मौजूद धार्मिक स्थलों जुड़े तथ्यों की खोजबीन की भी अनुमति नहीं देता है? क्या इसके चलते देश में आक्रांतवादी सोच एवं देश की विरासत को धुंधलाने की कोशिश पर पर्दा ही पड़ा रहेगा? ऐतिहासिक अन्याय, अत्याचार एवं राष्ट्र-विरोधी सोच एवं सच्चाई तो सामने आनी ही चाहिए। इस देश में उन विघटनकारी एवं संस्कृति-विरोधी लोगों की मर्जी कब तक चलती रहेगी? कब तक बात-बेबात हंगामा होता रहेगा? कब तक सांस्कृतिक पहचान को बेमानी साबित करने के षडयंत्र होते रहेंगे? इस सच से इंकार नहीं किया जा सकता कि इतिहास से न केवल छेडछाड़ हुई है बल्कि समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास को निस्तेज भी किया गया है। इसी बात को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उजागर करते हुए कहा कि हमारे इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है। अतीत में यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह भी कह चुके हैं, यह बात पूर्व में भी बार-बार अनेक नेताओं ने कही है, लेकिन इतिहास को सही रूप में पेश करने का काम नहीं हो पा रहा है और वह भी तब, जब सभी इससे परिचित हैं कि सच्चे इतिहास की जानकारी के अभाव में लोगों के बीच नासमझी की खाई चोड़ी ही होती है, झूठे इतिहास को ही लोग सच मानने से उनकी अपनी परम्परा एवं इतिहास के प्रति आस्था की बजाय घृणा बढ़ती है। अपनी इतिहास एवं संस्कृति की विलक्षण एवं विशेषताओं से दूरी बनाकर झूठे इतिहास के कसीदें पढ़ने से राष्ट्र के प्रति गौरव का भाव क्षीण होता है। ऐसी स्थितियों में राष्ट्रीय एकता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के गौरवपूर्ण क्षण कैसे सामने आ सकते हैं। झूठे इतिहास के कारण लोग संगठित कैसे हो सकते हैं? उनके स्वर विपरीत ही होते हैं, जिससे एक-दूसरे से जुड़ना तो दूर आपसी द्वेष, नफरत एवं द्वंद्व की स्थितियां ही राष्ट्र पर हावी होती है। सही इतिहास जानने की इस महत्ता से हमारे नीति-निमार्ता अनभिज्ञ रहे हैं। अन्यथा इस विषय पर यहां इतनी दलबंदी न होती। हमें एक असहिष्णु, उन्मादी एवं कट्टरवादी समाज बनने के रास्ते पर ही नहीं, बल्कि भीतर से ज्यादा से ज्यादा विभाजित एवं कमजोर समाज बनने के रास्ते पर धकेला जा रहा है। इस तरह की स्थितियां एवं मुहिमें देश की एकता एवं अखण्डता पर आघात करती है।

भारतीयों ने गणित व खगोल विज्ञान पर प्रामाणिक व आधारभूत खोज की। शून्य का आविष्कार, पाई का शुद्धतम मान, सौरमंडल पर सटीक विवरण आदि का आधार भारत में ही तैयार हुआ। वसुधैव कुटुम्बकम का विचार इसी देश ने किया। अहिंसा यहां की जीवनशैली का सौन्दर्य रहा है, विविधता में एकता को हमने जीकर दिखाया है, लेकिन हमारी उदारता को आक्रांताओं एवं विभाजनकारी ताकतों ने हमारी कमजोरी मान लिया है। यही कारण है कि तात्कालिक एवं अतीत की कुछ नकारात्मक घटनाओं व प्रभावों ने जो धुंध हमारी सांस्कृतिक जीवन-शैली पर आरोपित की है, उसे सावधानी पूर्वक हटाना होगा। आज आवश्यकता है कि हम अतीत की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजें और सवारें तथा उसकी मजबूत आधारशिला पर खडे.होकर नए मूल्यों व नई संस्कृति को निर्मित एवं विकसित करें। ऐसा करके ही हम नया भारत-सशक्त भारत निर्मित कर पायेंगे। समृद्ध संस्कृति भारत की एक विरासत है। इसमें धर्म, अध्यात्मवाद, ललित कलाएं, ज्ञान विज्ञान की विविध विधाएं, नीति, दर्शन, विधि, विधान, जीवन प्रणालियां और वे समस्त क्रियाएं और कार्य हैं जो उसे महान बनाती है। समय-समय पर इसका विविध संस्कृतियों के साथ संघर्ष, मिलन, परिवर्तन, परिवर्धन और आदान-प्रदान हुआ है। भारतीयों की अनेक भावनाओं पर शताब्दियों से समय-समय पर आती रहने वाली विविध जातियों ने बहुत पहले से ही अपना न्यूनाधिक प्रभाव डाल रखा था। परंतु इस्लाम के आ जाने पर भारतीय संस्कृति में एक हलचल सी मच गयी, सांस्कृतिक विरासत को ध्वस्त करने के सलक्ष्य प्रयत्न हुए, कला, धार्मिकता, शिल्प के मन्दिरों को ध्वस्त करके मस्जिदों का निर्माण कराया गया। लेकिन इन ऐतिहासिक भूलों को सुधारने का अवकाश तो हमेशा से रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने संभल मस्जिद मामले में 29 नवंबर 2024 को स्थानीय अदालत की कार्यवाही पर अस्थायी रोक लगा दी। इस मामले में विपक्षी दल विशेषतः कांग्रेस एवं समाजवादी पार्टी उत्तरप्रदेश सरकार को जबरन घसीट रही है, जबकि सर्वोच्च अदालत शांति बनाये रखने के लिये मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय को सुनवाई करने का निर्देश दिया है। 24 नवंबर को अदालती निर्देश पर हुए सर्वे के दौरान खूनी हिंसा, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी, उसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने जो निर्णय दिया, उसका मर्म यह है कि मामले में फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या सच है या फिर कौन समुदाय कितना उपद्रव करता है और वह शासन-व्यवस्था के लिए कितनी बड़ी चुनौती बन सकता है। अर्थात चाहे अन्याय कितना भी बड़ा हो, अदालत न्याय से अधिक शांति-सद्भावना को वरीयता देगी। देरसबेर न्याय होता हुआ देखा भी गया है, अयोध्या में बना श्रीराम मन्दिर इस का उदाहरण है। आक्रांताओं द्वारा नष्ट किए गए धार्मिक स्थल सिर्फ धार्मिक प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे भारत की सभ्यता एवं संस्कृति की ऊंच रोशनी की मीनारें है। कांग्रेस ने इनके दमन का ही सिलसिला जारी रखा। इस तरह इतिहास का मिथ्याकरण और देश की नई पीढ़ी को उनके पूर्वजों के वास्तविक अनुभवों को जानने से वंचित रखना हर हाल में गलत है, त्रासद है, विडम्बनापूर्ण है। कठोर वास्तविकताएं एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भारत का यथार्थ है तो अप्रिय प्रवृत्तियां, विभाजनकारी सोच एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का विध्वंस भी बड़ा यथार्थ है। मुगल शासक हो या अंग्रेजी शासक या आजादी के बाद की सरकारें -राजनीतिक उद्देश्यों एवं वोट की राजनीति के चलते मुस्लिम तुष्टीकरण को अपनाया। यही कारण है कि भारत पर अन्याय-अत्याचार करने एवं आक्रांता बन देश को लुटने वालों को हमने हीरो बनाया और उनके नाम पर प्रमुख मार्गों का नामकरण किया, पाठ्य-पुस्तकों में उनको महिमामंडित किया। लेकिन यहां लंबे समय से इतिहास और वर्तमान के अप्रिय प्रसंगों पर चुप्पी की परंपरा बनी हुई है। अब यह चुप्पी टूट रही है तो निश्चित ही दूध का दूध एवं पानी का पानी होकर रहेगा। भारत अपनी समृद्ध विरासत को पुनः नये शिखर पर स्थापित कर पायेगा।

निरंतर मजबूत हो रही है भारतीय नौसेना

प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए भारतीय नौसेना दिवस मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर ऑपरेशन ट्राइडेंट चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे। भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरूआत हुई। नौसेना दिवस हर साल एक खास थीम के साथ मनाया जाता है और 2024 के नौसेना दिवस का विषय है नवाचार और स्वदेशीकरण के माध्यम से शक्ति और शक्ति।

योगेश कुमार गोयल
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

नैसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरूआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रुप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है शं नो वरूणः अर्थात्जल के देवता वरूण हमारे लिए मंगलकारी रहें। भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम ईस्ट इंडिया मरीन से बदलकर बॉम्बे मरीन कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया। भारतीय नौसेना वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों, सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बेड़े में दो विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत के अलावा अनेक अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट, वॉरफेयर शिप, सबमरीन तथा अन्य सैन्य साजो-सामान हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं। बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिन्द महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी, खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टैक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को साइलेंट किलर कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर, भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तानी नौसैना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है।

प्रतिभा की पहचान...

यूनान के किसी गांव का एक लड़का लकड़ियां काटकर गुजारा करता था। वह दिन भर जंगल में लकड़ियां काटता और शाम को पास के शहर के बाजार में उन्हें बेच देता था। एक दिन एक विद्वान व्यक्ति बाजार से जा रहा था। उसकी नजर बालक के गट्ठर पर पड़ी जो बेहद कलात्मक ढंग से बंधा था। उसने उस लड़के से पूछा- क्या यह गट्ठर तुमने खुद बांधा है?

लड़के ने जवाब दिया- जी हां, मैं दिन भर लकड़ी काटता हूं, स्वयं गट्ठर बांधता हूं और रोज शाम को बाजार में बेच देता हूं। उस व्यक्ति ने कहा- क्या तुम इसे खोलकर इसी प्रकार दोबारा बांध सकते हो? लड़के ने गट्ठर खोला तथा बड़े ही सुंदर तरीके से उसे फिर बांध दिया। यह कार्य वह बड़े ध्यान, लगन और फुर्ती के साथ कर रहा था। लड़के की एकाग्रता, लगन तथा कलात्मक रीति से काम करने के तरीके ने उस व्यक्ति को काफी प्रभावित किया। उसे बच्चे में काफी संभावना नजर आई। उसने पूछा- क्या तुम मेरे साथ चलोगे? मैं तुम्हें अपने साथ रखूंगा, शिक्षा दिलाऊंगा। तुम्हारा सारा खर्चा मैं उठाऊंगा। बालक ने सोच-विचार कर अपनी स्वीकृति दे दी और उसके साथ चला गया। उस व्यक्ति ने बालक के रहने और उसकी शिक्षा का प्रबंध किया। वह स्वयं भी उसे पढ़ाता था और नई-नई बातें सिखाता था। थोड़े ही समय में उस बालक ने उच्च शिक्षा हासिल की और काफी कुछ ज्ञान अर्जित कर लिया। बड़ा होने पर यह बालक यूनान के महान दार्शनिक पाइथागोरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ। और जिस व्यक्ति ने उसे अपने यहां रखा था वह था यूनान का विख्यात तत्व ज्ञानी डेमोप्रीट्स।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। बैंकिंग, मेटल के अलावा तेल कंपनियों के शेयरों में तेजी से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 597.67 अंक करीब 0.74 फीसदी बढ़कर 80,845.758 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 181.10 अंक तकरीबन 0.75 फीसदी ऊपर आकर 24,457.15 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 25 शेयर बढ़त पर बंद हुए। अदाणी पोर्ट्स, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, एसबीआई और एलएंडटी सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस, एचसीएल टेक, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, टीसीएस, टाइटन, जेएसडब्लयू स्टील, पावर ग्रिड, इंफोसिस, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, एचयूएल, टाटा स्टील, मारुति के शेयर भी उछले। इसी प्रकार से, निफ्टी के 41 शेयरों में तेजी रही , जबकि 9 शेयर नीचे आये। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 5 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। भारती एयरटेल, आईटीसी, एशियन पेंट्स, सन फार्मा और कोटक बैंक सेंसेक्स के नुकसान वाले पांच शेयर रहे। आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। जबकि निफ्टी मिडकैप100 और निफ्टी स्मॉलकैप100 इंडेक्स क्रमशः 0.89 फीसदी और 0.84 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। निफ्टी एफएमसीजी और फार्मा को छोड़कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। निफ्टी पीएसयू बैंक और मीडिया इंडेक्स 2 फीसदी से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। इसके बाद बैंक निफ्टी, ओएमसी और मेटल इंडेक्स सभी 1 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग बढ़त पर बंद हुए जबकि यूरोपीय बाजार लाभ में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजारों में सोमवार को बढ़त रही। वहीं पिछले कारोबारी सत्र यानी सोमवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए थे। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरूआत बढ़त के साथ हुई।

होंडा एक्टिवा की अक्टूबर में 2,66,806 यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली ■

पिछले महीने अक्टूबर 2024 में होंडा एक्टिवा ने 2,66,806 यूनिट्स की बिक्री की। इसी के साथ होंडा एक्टिवा ने पिछले साल की तुलना में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह आंकड़ा भारतीय बाजार में स्कूटरों की बढ़ती मांग को दशार्ता है।

इसकी बेहतरीन परफॉर्मेंस और बजट-फ्रेंडली कीमत इसे भारतीय ग्राहकों के बीच बेहद लोकप्रिय बनाती है। वहीं, टीवीएस जुपीटर ने 1,09,702 यूनिट्स के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि सुजुकी एक्सेस 74,813 यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरे स्थान पर रहा। इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में, ओला एस 1 ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 41,651 यूनिट्स की बिक्री की, और इसकी सालाना वृद्धि 74 प्रतिशत रही। इसके अलावा, टीवीएस एनटॉर्क ने 40,000 यूनिट्स की बिक्री के साथ टॉप लिस्ट में अपनी जगह बनाई। अक्टूबर 2024 में टॉप 10 स्कूटर्स की कुल बिक्री 6.64 लाख यूनिट्स रही, जो पिछले साल से 27 प्रतिशत अधिक है।

नवंबर में घरेलू बाजार में कारों और एसयूवी की बिक्री में बढ़ोतरी

नई दिल्ली ■

घरेलू बाजार में नवंबर महीने में कारों और एसयूवी की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रमुख कंपनियों जैसे मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और टोयोटा किर्लोस्कर ने अपने थोक बिक्री आंकड़ों में बढ़ोतरी दर्ज की है, जो भारतीय ऑटो उद्योग के लिए सकारात्मक संकेत हैं। मारुति सुजुकी ने नवंबर 2023 में 1,41,312 यूनिट्स की घरेलू यात्री वाहन बिक्री की, जो पिछले साल की इसी अवधि में 1,34,158 यूनिट्स से ज्यादा है। खासकर एसयूवी सेगमेंट में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। मारुति के पॉपुलर मॉडल जैसे ब्रेजा, ग्रैंड विटारा और जिम्नी की बिक्री में वृद्धि देखी गई और यह नवंबर 2023 में 49,016 यूनिट्स से बढ़कर 59,003 यूनिट्स हो गई।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने नवंबर 2024 में 25,586 यूनिट्स की मासिक बिक्री की जो पिछले साल इसी माह में बेची गई 17,818 यूनिट्स से 44 फीसदी ज्यादा है। कंपनी ने 1,140 यूनिट्स का निर्यात भी किया। टीकेएम के वाइस प्रेसिडेंट ने बताया कि कंपनी ने अपनी उत्पाद रेंज में विविधता लाते हुए हैचबैक से लेकर एसयूवी तक के वाहन पेश किए हैं, जो कई ग्राहकों की लाइफस्टाइल के मुताबिक उपयुक्त हैं। टाटा मोटर्स ने नवंबर 2024 में 47,117 यूनिट्स की यात्री वाहनों की बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर 2 फीसदी बढ़ोतरी को दशार्ता है। हालांकि, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 1 फीसदी की गिरावट आई, जो 27,636 यूनिट्स रही। नवंबर 2024 में टाटा मोटर्स की कुल वाहन बिक्री बढ़कर 74,753 यूनिट्स हो गई, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 74,172 यूनिट्स था। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने नवंबर में 61,252 यूनिट्स की कुल बिक्री की, जिसमें से 48,246 यूनिट्स घरेलू बिक्री के थे और 13,006 यूनिट्स का निर्यात किया गया। हालांकि, कंपनी की कुल बिक्री में मामूली गिरावट आई है। एचएमआईएल के सीईओ ने बताया कि कंपनी ने एसयूवी सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया था और इस सेगमेंट ने घरेलू बिक्री में 68.8 फीसदी का योगदान दिया।

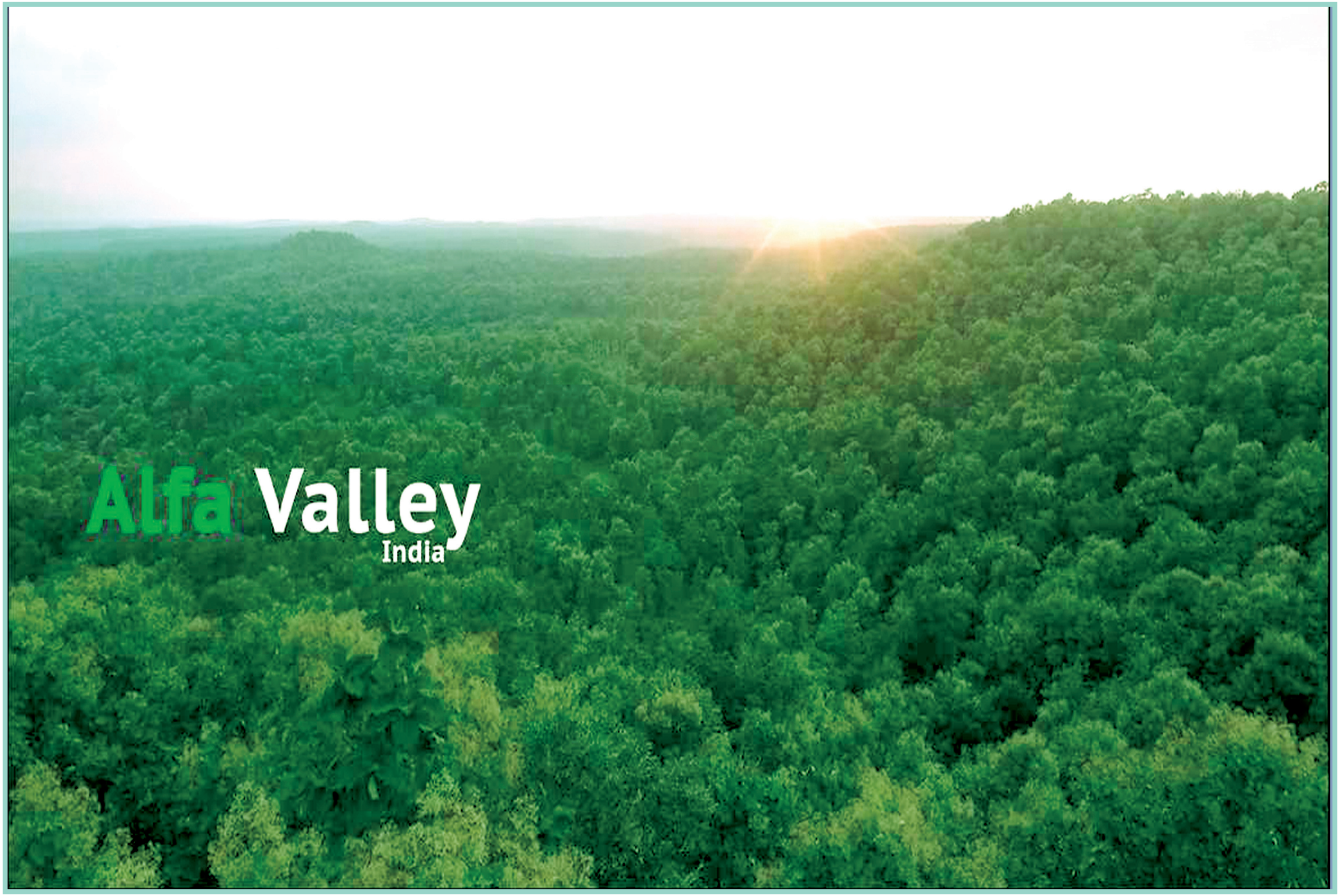

Alfa Valley
India

मनोरंजन

नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरीटेल को लेकर चर्चा में नयनतारा

मशहूर एक्ट्रेस नयनतारा हाल ही में रिलीज हुई डॉक्यूमेंट्री नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरीटेल को लेकर चर्चा में हैं। एक समय ऐसा भी था जब नयनतारा को अपने वजन के कारण सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया था। यह घटना साल 2005 की है जब नयनतारा फिल्म गजनी में नजर आई थीं। फिल्म के रिलीज के बाद, नयनतारा को उनके वजन को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। ट्रोलर्स ने उन्हें कहा कि वह फिल्म के लिए फिट नहीं थीं, और उनके वजन का मजाक उड़ाया। इस ट्रोलिंग ने नयनतारा को काफी दुखी किया था। नयनतारा ने इस बारे में कहा था कि उन्होंने वही किया था जो डायरेक्टर ने उनसे करने को कहा था, लेकिन इन टिप्पणियों को पढ़कर उन्हें बहुत बुरा लगता था। इसके बाद, 2007 में जब नयनतारा ने फिल्म बिल्ला में बिकनी पहनकर एक सीन किया, तो उसे भी ट्रोल किया गया। नयनतारा ने इस बारे में कहा कि उन्होंने वह सीन सिर्फ डायरेक्टर के कहने पर किया था, न कि किसी को कुछ साबित करने के लिए। हालांकि, इन मुश्किलों के बावजूद नयनतारा ने हार नहीं मानी और आज वह साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सबसे पॉपुलर और टॉप एक्ट्रेसेस में से एक बन चुकी हैं।

आज तक नहीं भूल पाई वो डरावना अनुभव: सयानी

हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस सयानी गुप्ता ने फिल्मों की शूटिंग को लेकर एक डरावना अनुभव शेयर किया है, जिसे वो आजतक नहीं भूल पाई हैं। सयानी गुप्ता ने सेट पर इंटीमेसी को लेकर बातचीत की और बताया कि बदलते समय के बाद काफी चीजें सुधर रही है। अब इंटीमेट सीन या बोल्ड सीन शूट करते वक्त सेट पर इंटिमेसी कोर्डिनेटर और डायरेक्टर होते हैं। वह बहुत ही प्रोफेशनली शूट होते हैं। मगर एक बार उनके साथ ऐसा किस्सा हुआ था जिसे आज तक वह भूल नहीं पाई हैं। सयानी गुप्ता ने कहा, मैं इंटीमेसी को लेकर पूरी किताब लिख सकती हूं। मगर अब शुक्रगुजार हूं कि हमारे प्रोफेशन में अब इंटीमेसी कोर्डिनेटर होते हैं। मैंने साल 2013 में मार्गरीटा विद ए स्ट्रॉ फिल्म में काम किया था। कुछ लोग कहते हैं कि इंटीमेट सीन करना आसान था क्योंकि बहुत ही टेक्निकल तरीके से होता है, लेकिन इसकी आड़ में कुछ लोग इसका फायदा भी उठाते हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैंने ये फेस किया है। एक बार एक एक्टर कट बोलने के बाद भी किस करता रहा था। मैं हैरान थीं। कभी कभी ये चीजें बहुत ही छोटी लगती हैं लेकिन नहीं होता है ऐसा। ये बहुत ही अभद्र बर्ताव था। इसके आगे उन्होंने सेट पर एक्टर्स की सुरक्षा की भी बात की। अपनी हिट सीरीज फोर मोर शॉट्स का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया, गोवा में एक सीन होना था, जहां मैंने शॉर्ट ड्रेस कैरी की थी और समुद्र के किनारे लेटना था। मैं तब बहुत ही अनकंफर्टेबल महसूस कर रही थी।

राशि ने भारतीय सेलिब्रिटी की लिस्ट में बनाई जगह

चालू सप्ताह में एक्ट्रेस राशि खन्ना का आईएमडीबी की ट्रेंडिंग सूची में शामिल होना उनकी बढ़ती लोकप्रियता और दर्शकों से मिली प्रशंसा को दर्शाता है। उन्होंने हाल ही में द साबरमती रिपोर्ट में निडर पत्रकार अमृता गिल की भूमिका निभाते हुए एक शक्तिशाली प्रदर्शन किया। राशी के दिलचस्प चित्रण को दर्शकों और आलोचकों से व्यापक प्रशंसा मिली, जिससे एक बहुमुखी कलाकार के रूप में उनकी स्थिति और मजबूत हो गई। विक्रांत मैसी के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए, जिन्होंने एक पत्रकार की भूमिका भी निभाई, उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने फिल्म की मनोरंजक कहानी में गहराई जोड़ दी। गोधरा के पास साबरमती एक्सप्रेस घटना के आसपास की दुखद घटनाओं पर आधारित, यह फिल्म इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय पर प्रकाश डालती है, जिसमें राशी का प्रदर्शन एक आकर्षण के रूप में सामने आता है। इसके अलावा राशि अपनी आगामी फिल्म तलाखों में एक में विक्रांत मैसी के साथ फिर से जुड़ने के लिए तैयार है, जो एक और आकर्षक सहयोग होने का वादा करती है। इसके अतिरिक्त, वह अपनी तेलुगु फिल्म तेलुसु कड़ा की रिलीज के लिए तैयारी कर रही हैं। आईएमडीबी की ट्रेंडिंग सूची में राशी की उपस्थिति न केवल उनकी अपार प्रतिभा को रेखांकित करती है, बल्कि उन्हें भारतीय मनोरंजन परिदृश्य में सबसे अधिक मांग वाले सितारों में से एक के रूप में भी चिह्नित करती है। मालूम हो कि यह प्रतिष्ठित फीचर वैश्विक स्तर पर धूम मचाने वाले भारतीय सितारों को उजागर करता है, जो अभिनेताओं, निर्देशकों, लेखकों और अन्य को उनके प्रभाव और अपील के लिए मान्यता देती हैं।

बुमराह की गिनती महानतम खिलाड़ियों में होगी : हेड

एडिलेड

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि आने वाले समय में उनकी गिनती महानतम खिलाड़ियों में होगी। बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में बेहतरीन प्रदर्शन कर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

हेड ने कहा, 'बुमराह को इस खेल को खेलने वाले सबसे महान तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाना जाएगा। अभी हम यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि वह हमारे लिए किस प्रकार की चुनौती पेश करते हैं। उसके खिलाफ खेलना अच्छा है। जब मैं भविष्य में अपने करियर पर नजर डालूंगा तो बड़े गर्व से अपने पोते पोतियों को बताऊंगा कि मैंने बुमराह जैसे गेंदबाज का सामना किया था। इसलिए उनके खिलाफ खेलना नुकसानदेह नहीं है। उम्मीद है मुझे आगे भी उनके खिलाफ खेलने का अवसर मिलेगा हालांकि उनका सामना करना चुनौती पूर्ण है। हेड भारत के खिलाफ पर्थ में अर्धशतक बनाने वाले अकेले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज थे जब बुमराह के सामने शीर्ष क्रम रनों के लिए संघर्ष कर रहा था तो वह जमे रहे। इस खिलाड़ी ने कहा, 'यह निश्चित है कि अन्य खिलाड़ी इसके बाद भी मुझसे बल्लेबाजी की सलाह नहीं लेंगे क्योंकि प्रत्येक खिलाड़ी के खेलने का अपना तरीका होता है। दोनों टीमें अब शुक्रवार से एडिलेड में दिन-रात का टेस्ट खेलेंगी जहां भारतीय टीम साल 2020 में 36 रन पर आउट हो गयी थी। हेड ने उस मैच को याद करते हुए कहा, 'मुझे याद है कि वह मैच जल्दी समाप्त हो गया था। हमने उस मैच का भरपूर आनंद लिया था। फिर से ऐसा करना अच्छा होगा पर मुझे नहीं लगता कि अगले मैच में ऐसा करना आसानप होगा। हेड ने ये भी कहा कि टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी इकाई के बीच किसी तरह का मतभेद नहीं है जिससें उन्होंने कहा था कि दोनो विभागों को पूरी क्षमता और जिम्मेदारी से प्रदर्शन करना होगा। हेड को पूरा विश्वास है कि पहले टेस्ट में करारी हार के बावजूद उनकी टीम वापसी करने में सफल रहेगी। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम विपरीत हालातों से अच्छी तरह से निपटती है। पिछले तीन या चार वर्षों में हमने हर चुनौती का अच्छी तरह से सामना करते हुए वापसी की है।

युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की कमी खलेगी : हार्दिक

मुंबई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसके पास किस प्रकार का कौशल है।हम जानते हैइसलिए इस सत्र में हमें उसकी कमी खलेगी । पंड्या ने कहा कि जब हम उसे रिटेन नहीं कर पाये तभी समझ गये थे कि अब उसे हासिल करना संभव नहीं होगा। ईशान को आईपीएल 2025 के लिए हुई नीलामी में सनराइजर्स हैदराबाद ने 11.25 करोड़ रुपए में खरीदा है। मुंबई इंडियंस ने 3.20 करोड़ रुपये के बाद ईशान पर बोली लगाना बंद कर दिया था। किशन का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था। मुंबई इंडियंस के एक वीडियो में पंड्या ने ईशान को टीम की ताजगी और ऊर्जा बताया है। साथ ही कहा कि जब हम उसे रिटेन नहीं कर पाए तो हमें हमेशा पता था कि उसे नीलामी में फिर से प्राप्त करना कठिन होगा क्योंकि हम जानते थे कि वह किस तरह का खिलाड़ी है और उसके पास किस तरह का कौशल है। उसके टीम के साथ छह साल जुड़े रहने के दौरान ही मुंबई ने 2018-24 के बीच दो बार खिताब जीता। पंड्या ने कहा कि वह हमेशा ड्रेसिंग रूम को उत्साहित बनाये रखता था। यह प्यार और गर्मजोशी उसके लिए बहुत स्वाभाविक थी, हमें उसकी कमी खलेगी।

आईपीएल 2025 नीलामी में अच्छी टीम मिली : पांड्या

मुम्बई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि है कहा है कि 2025 आईपीएल सत्र के लिए जो टीम नीलामी के बाद उन्हें मिली है वह अच्छी है। साथ ही कहा कि वह ऐसी ही टीम चाहते थे। पांड्या के अनुसार नीलामी में वह जिन खिलाड़ियों को चाहते थे, उनके बारे में कोचिंग स्टाफ के साथ संपर्क में भी बने हुए थे। आईपीएल नीलामी में मुम्बई ने दीपक चाहर, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, राज अंगद बावा जैसे भारतीय खिलाड़ियों के अलावा ट्रेंट बोल्ट, विल जैक्स, रयान रिकलेटन, मिशेल सेंटनर, लिजाद विलियम्स और रीस टॉपले जैसे अनुभवी विदेशी खिलाड़ियों को भी शामिल किया है। इसके अलावा गजनफर, बेवॉन जैकब्स, विग्नेश पुथुर और वेंकट सत्यनारायण राजू जैसे कम प्रसिद्ध खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

हार्दिक ने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में कहा, मैं संपर्क में था, हम वास्तव में किसके लिए जा रहे हैं और मुझे लगता है कि हम नीलामी से काफी अच्छे निकले हैं और टीम अच्छी दिख रही है। हमने सही मिश्रण पाया है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ी हैं। बोल्ट वापस आ गए हैं, दीपक चाहर, अच्छा ऑलराउंडर हैं, और साथ ही विल जैक्स, रॉबिन मिंज और रिकेल्टन जैसे युवा खिलाड़ी, जो नए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। हमने सभी आधारों को कवर किया है। उन्होंने कहा, नीलामी की गतिशीलता हमेशा मुश्किल होती है। आप जानते हैं कि जब आप इसे लाइव देख रहे होते हैं, तो यह बहुत रोमांचक होता है और भावनाएं हमेशा ऊपर-नीचे होती रहती हैं क्योंकि आप इस खिलाड़ी को चाहते हैं लेकिन कभी-कभी आप हार जाते हैं। बहुत भावुक न होना बहुत महत्वपूर्ण है, और अंत में हमें एक पूरी टीम बनानी होगी।

इटैलियन लीग में फिओरेंटीना के बोवे बेहोश होकर गिरे

फ्लोरेंस (इटली)। इटैलियन लीग सीरी ए के महत्वपूर्ण मुकाबले में फिओरेंटीना के मिडफील्डर एडोआर्डो बोवे इंटर मिलान के खिलाफ मैच के बीच में मैदान पर बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें बेहोशी की हालत में नजदीकी कारेगी अस्पताल में दाखिल कराया गया है। वह गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में दाखिल हैं। 22 वर्षीय बोवे के मैदान पर गिरते ही उन्हें दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने घेर लिया और तत्काल मेडिकल सहायता मांगी। उन्हें प्राथमिक उपचार देते हुए स्ट्रेचर से मैदान के बाहर लाया गया और एंबुलेंस से अस्पताल में दाखिल कराया गया। यह घटना मैच के 16वें मिनट की है। इसके बाद मुकाबले को स्थगित कर दिया गया। अस्पताल के बाहर बोवे के समर्थक हाथ में, फ्लोरेंस आपके साथ है, कि तख्तियां लेकर एकत्र हो गए। क्लब साथी, निदेशक अस्पताल पहुंचे रिपोर्टों के मुताबिक हृदय और मस्तिष्क के किए गए पहले परीक्षणों में केंद्रीय तंत्रिका तंत्र और कार्डियो श्वसन तंत्र की तीव्र क्षति से इन्कार किया गया है।

प्रज्ञानंद, एरिगैसी समेत पांच भारतीय फिडे की शीर्ष प्रतियोगिता में भाग लेंगे

लुसाने

अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने सोमवार को कहा कि आगामी 2024 फिडे विश्व रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप में आर प्रज्ञानानंदा, अर्जुन एरिगैसी और आर वैशाली सहित भारत के पांच खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 26-31 दिसंबर तक न्यूयॉर्क शहर में आयोजित की जाएगी। पहली बार इस टूर्नामेंट का उत्तरी अमेरिका में आयोजन हो रहा है।

इसमें कोनेरू हम्पी और द्रोणावल्ली हरिका भी भारतीय चुनौती को पेश करेंगी। फिडे ने इसे अब तक का सबसे मजबूत सत्र करार देते हुए कहा कि इसमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भाग लेंगे। शीर्ष शतरंज संस्था ने 'एक्स' पर लिखा कि विश्व के तीसरे नंबर के अमेरिका के ग्रैंड मास्टर हिकारू नाकामुरा ने भी टूर्नामेंट में भाग लेने की पुष्टि की है। फिडे ने बताया, 26 से 31 दिसंबर तक दुनिया के 300 से ज़्यादा बेहतरीन खिलाड़ी न्यूयॉर्क शहर में 1.5 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। इसमें भारत के शीर्ष खिलाड़ियों के अलावा, दुनिया भर के कुछ बड़े नामों में पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन, फैबियानो कारूआना, वेस्ले सो और लेवोन एरोनियन शामिल हैं। यह आयोजन 26 से 28 दिसंबर तक रैपिड चैंपियनशिप के साथ शुरू होगा, जिसके बाद 29 दिसंबर को एक दिन का विश्राम होगा।

छह राष्ट्रीय खिताब जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी राज मनचंदा का निधन

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज स्क्वाश खिलाड़ी राज मनचंदा का 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया। छह बार राष्ट्रीय खिताब जीत चुके मनचंदा ने रविवार को आखिरी सांस ली जिसकी जानकारी उनके परिवार के करीबी सूत्रों ने दी। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित मनचंदा भारतीय स्क्वाश जगत के सबसे चर्चित चेहरे थे। वह 1977 से 1982 तक राष्ट्रीय चैंपियन रहे और उन्होंने सेना के लिए अभूतपूर्व 11 खिताब जीते।

इस दौरान मनचंदा ने एशियाई चैंपियनशिप और विश्व स्तरीय टूर्नामेंटों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया और उन्हें 1983 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मनचंदा उस वक्त सुर्खियों में आए जब सेना के लिए कप्तान बने और 33 साल की उम्र में अपना पहला राष्ट्रीय खिताब जीता। 1981 में उन्होंने एशियन चैंपियनशिप के दौरान दिग्गज जहांगीर खान का सामना किया जिनका 1980 के दशक में स्क्वाश में दबदबा था। मनचंदा ने कई मौकों पर भारतीय टीम की कमान संभाली जिसमें कराची में 1981 में एशियन टीम चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली टीम की कप्तानी करना भी शामिल है। उनका सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 1984 में जॉर्डन में हुए एशियन चैंपियनशिप में आया जब वह चौथे स्थान पर रहे। हालांकि, उस समय उनके नेतृत्व वाली टीम ने कांस्य पदक जीता था।

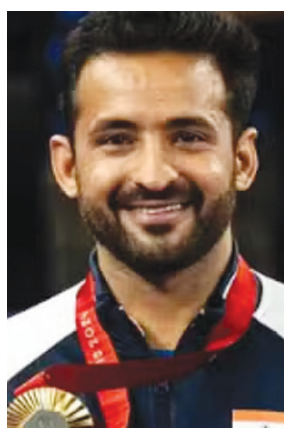

कुमार नितेश पैरा बैडमिंटन में साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित

नई दिल्ली। भारत के पैरालंपिक चैंपियन कुमार नितेश को तीन अन्य खिलाड़ियों के साथ विश्व बैडमिंटन महासंघ के (बीडब्ल्यूएफ) साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। पेरिस पैरालंपिक (2024) में एसएल3 श्रेणी में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतने वाले 29 साल के नितेश इस पुरस्कार के लिए मलयेशिया के दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेह लिक होउ (एसयू5), जापान के डाइकी काजीवारा (डब्ल्यूएच2) और चीन के क्यू जिमो (डब्ल्यूएच1) के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। नितेश विश्व चैंपियनशिप के दो बार के रजत और एक बार के कांस्य पदक विजेता भी हैं। महिला वर्ग में ली फेंग मेई, सरीना सतोमी, लियू यू टोंग और लीनी रात्री ओक्टिला को इस पुरस्कार के लिए नामित किया गया है।

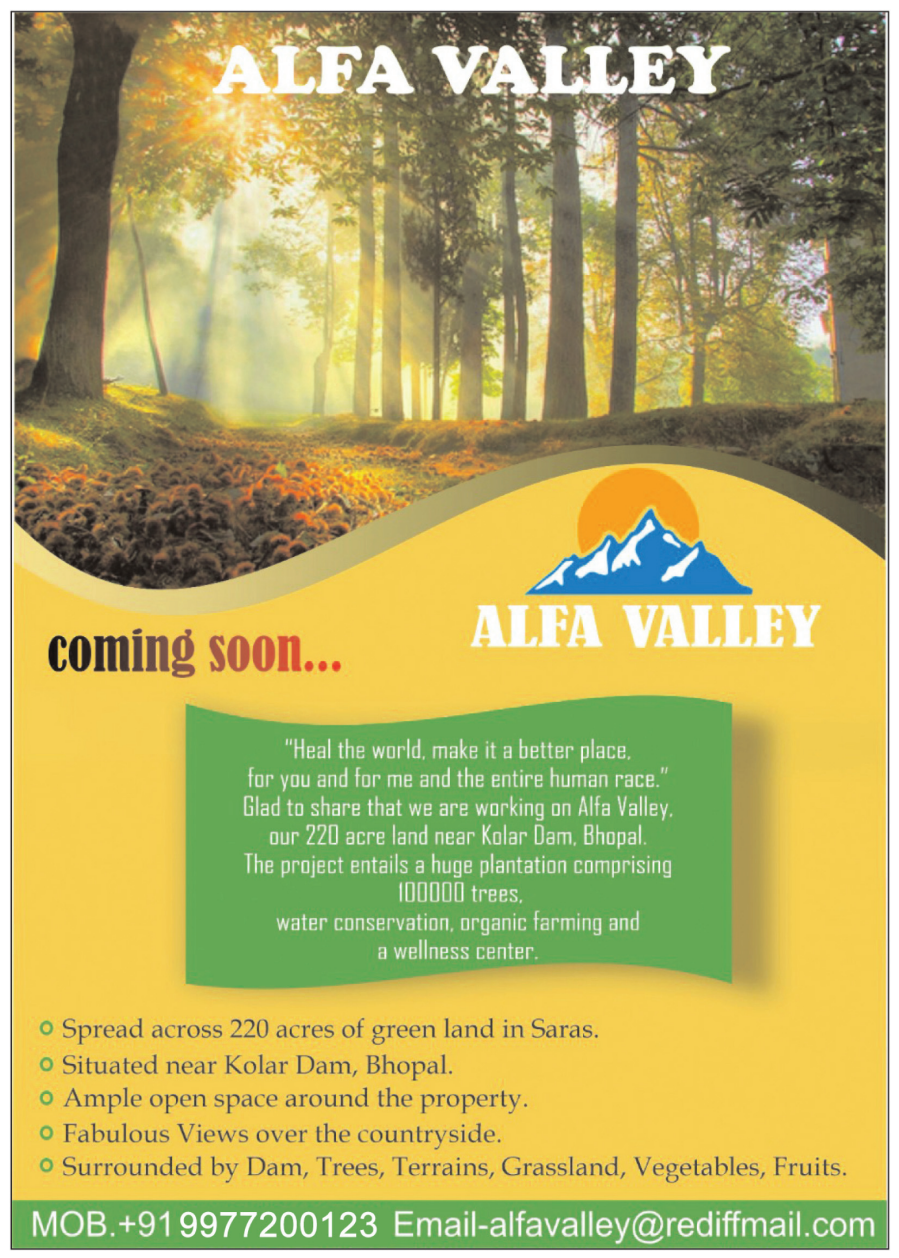

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com